हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 180 बेमेतरा, शुक्रवार 20 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

सिंधु के बाद अब रावी का भी पानी रोकेगा भारत

नई दिल्ली। सिंधु जल संधि के निलंबन के बाद भारत अब पाकिस्तान को एक और बड़ा झटका देने की तैयारी में है। केंद्र सरकार रावी नदी के भारत के हिस्से के पानी को पाकिस्तान जाने से रोकने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। यदि यह योजना लागू होती है तो गर्मियों के दौरान पाकिस्तान में जल संकट और गहरा सकता है। पंजाब और जम्मू-कश्मीर की सीमा पर बन रही शाहपुर कंडी बांध परियोजना अब लगभग पूरी होने के करीब है। बताया जा रहा है कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद रावी नदी के अतिरिक्त पानी को पाकिस्तान की ओर बहने से रोका जा सकेगा। जम्मू-कश्मीर के मंत्री जावेद अहमद राना ने कहा कि बांध के पूरा होते ही रावी के अतिरिक्त जल को कठुआ और सांबा जैसे सूखाग्रस्त जिलों की ओर मोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना कंडी क्षेत्र के लिए प्राथमिकता पर बनाई जा रही है और इसका उद्देश्य स्थानीय जरूरतों को पूरा करना है। उनके अनुसार, 31 मार्च तक परियोजना का कार्य पूरा हो सकता है।

आज के समय में प्यार की सबसे बड़ी चुनौती कम्युनिकेशन है : मृणाल ठाकुर

मुंबई। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने आज के दौर में प्यार को लेकर एक गहरी बात कही है। अपनी अपकमिंग फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के प्रमोशन के दौरान उन्होंने कहा कि आज प्यार के लिए सबसे बड़ी चुनौती संवाद (कम्युनिकेशन) की कमी है। उनका मानना है कि इंटरनेट और सोशल मीडिया के जमाने में इतने सारे ऑप्शन और तरीके होने के बावजूद रिश्ते कमजोर पड़ रहे हैं। मृणाल ने कहा कि आजकल प्यार में सबसे बड़ी समस्या कम्युनिकेशन है। बहुत सारे तरीके होने के कारण थकान हो जाती है। लोग बात करने की बजाय मैसेज या चैट पर निर्भर हो गए हैं, जिससे रिश्तों में गहराई कम हो गई है। उन्होंने कहा कि एक अभिनेत्री के तौर पर उन्हें कई बार ऐसे किरदार निभाने पड़ते हैं, जो मानसिक रूप से नकारात्मक या मुश्किल होते हैं। ऐसे में वह कोशिश करती हैं कि अपने रोल या काम के प्रभाव को घर तक न ले जाएं, ताकि परिवार और पार्टनर के साथ उनका व्यवहार प्रभावित न हो।

आएगा भूचाल और तबाह हो जाएंगे दुनिया के कई शहर

नई दिल्ली। पृथ्वी की सुरक्षा को लेकर नासा के एक वैज्ञानिक ने गंभीर चेतावनी जारी की है। नासा की ग्रह रक्षा विशेषज्ञ के अनुसार, पृथ्वी के आसपास करीब 15,000 ऐसे अनदेखे एस्टेरॉयड्स मौजूद हैं, जिनसे निपटने का फिलहाल कोई ठोस उपाय नहीं है। इनमें से प्रत्येक एस्टेरॉयड एक पूरे शहर को तबाह करने की क्षमता रखता है। रिपोर्ट के मुताबिक, केली फास्ट ने कहा कि इन एस्टेरॉयड्स की जानकारी उन्हें रात को सोने नहीं देती। उन्होंने बताया कि सबसे बड़ी चिंता उन मध्यम आकार के एस्टेरॉयड्स को लेकर है, जो आकार में लगभग 500 फीट

बीजापुर में सुरक्षाबलों की कार्रवाई

मुठभेड़ में 5 नक्सली ढेर,214 ठिकाने ध्वस्त होने की सूचना

रायपुर/ संवाददाता

बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच एक बड़ी मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में पांच नक्सलियों के मारे जानें की खबर है। यह कार्रवाई जिले में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जंगल क्षेत्र में नक्सलियों ने पहले सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू की थी। इसके जवाब में जवानों ने भी तुरंत मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से हुई भीषण मुठभेड़ में पांच नक्सली मौके पर ही ढेर हो गए। सुरक्षाबलों को इस अभियान में बड़ी सफलता मिली है। 214 नक्सली ठिकानों और बंकरों को ध्वस्त करने की भी जानकारी मिल रही है। इस दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री भी बरामद की है। यह कार्रवाई नक्सलियों के नेटवर्क को कमजोर करने में सहायक सिद्ध हो रही है। सुरक्षाबलों को बीजापुर के जंगल क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद जवानों ने इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान ही नक्सलियों ने घात लगाकर हमला किया और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने अपनी रणनीति के तहत जवाबी कार्रवाई की और नक्सलियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस मुठभेड़ में पांच खूंखार नक्सली मारे गए, जिससे क्षेत्र में शांति स्थापित करने में मदद मिलेगी। बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों का नक्सल विरोधी अभियान तेज गति से चल रहा है। पिछले चार दिनों में जवानों ने 214 नक्सली ठिकानों और बंकरों को सफलतापूर्वक नष्ट किया है। यह कार्रवाई नक्सलियों की कमर तोड़ने में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। बरामद विस्फोटक सामग्री से नक्सलियों की बड़ी साजिशों को विफल किया गया है। सुरक्षाबलों की यह लगातार कार्रवाई क्षेत्र में नक्सलियों की गतिविधियों पर अंकुश लगाने में प्रभावी सिद्ध हो रही है। खुफिया इनपुट मिले हैं कि देवजी और उसका बेहद करीबी सहयोगी केसा सोढ़ी छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा के सघन जंगलों में छिपे हैं। उसके बाद मंगलवार से वहां एक बड़ा सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक सागर (मल्लाह राजा रेड्डी) के ओडिशा में होने की संभावना है। बाकी तीन इसी सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय हैं। बीते 8 फरवरी को रायपुर में एक उच्चस्तरीय सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट संदेश दिया कि वामपंथी उग्रवाद के खिलाफलड़ाई अब अपने अंतिम चरण में है। शाह ने जोर देकर कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास और नक्सलियों के वित्तीय नेटवर्क पर कड़े प्रहार ने उनकी कमर तोड़ दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किया कि सुरक्षा रणनीति और बेहतर आत्मसमर्पण नीति के कारण इस साल 31 मार्च से पहले नक्सलवाद का खतरा पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। सुरक्षा एजेंसियों ने नक्सलियों के सामने दो ही रास्ते छोड़े हैं। अधिकारियों का कहना है कि या तो वे हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो जाएं (आत्मसमर्पण),

शाह की समीक्षा के बाद आर-पार की जंग

हाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रायपुर का दौरा कर नक्सल विरोधी अभियानों की गहन समीक्षा की थी। इस बैठक के बाद ही रणनीति में बड़ा बदलाव करते हुए ब्लैक फॉरेस्ट 2.0 जैसे आक्रामक अभियान को हरी झंडी दी गई। सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है। अगले कुछ महीनों में बस्तर और सीमावर्ती इलाकों से लाल आतंक का नामोनिशान मिटाना। अमित शाह ने इसी हफ्ते दिल्ली में पुलिस स्थापना दिवस समारोह में भी पूरे देश को नक्सल मुक्त करने की बात दोहराई थी। इस सफलता के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट 2.0 लॉन्च कर दिया है। यह हाल के वर्षों का सबसे बड़ा सर्च ऑपरेशन माना जा रहा है। इसमें 2000 से अधिक जवान शामिल हैं। सुरक्षाबलों का मुख्य लक्ष्य उन 300 नक्सलियों को घेरना है, जो कर्रेगुट्टा की दुर्गम पहाड़ियों में छिपे हैं।

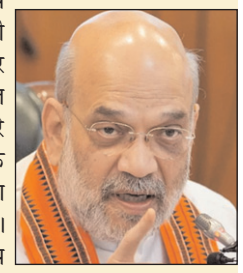

मिलन 2026 के उद्घाटन में राजनाथ सिंह बोले

भारत स्थापित करना चाहता है समतामूलक समुद्री व्यवस्था...

विशाखापत्तनम/ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को विशाखापत्तनम में बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास मिलन 2026 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा है कि भारत अंतरराष्ट्रीय कानून और नौवहन की स्वतंत्रता पर आधारित एक समतामूलक समुद्री व्यवस्था स्थापित करना चाहता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा, 'पारंपरिक खतरों के साथ-साथ उभरती चुनौतियां भी मौजूद हैं। समुद्री डकैती, समुद्री आतंकवाद, अवैध मछली पकड़ना, तस्करी, साइबर जोखिम और महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान जैसी समस्याएं गंभीर हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं, जिससे मानवीय सहायता और आपदा राहत अभियानों की मांग भी बढ़ी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि कोई भी एक नौसेना इन चुनौतियों से अकेले नहीं निपट सकती, इसलिए सहयोग अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि अंतरराष्ट्रीय जल से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए 'युनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑन द लॉ ऑफ द सी' एक मजबूत कानूनी ढांचा प्रदान करता है। उन्होंने व्यापक वैश्विक नौसैनिक संरचना की जरूरत पर बल दिया, जो सूचना साझाकरण, समुद्री संचार मार्गों की सुरक्षा और आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण सुनिश्चित करे। उन्होंने बताया कि भारत की समुद्री नीति 'सागर' से आगे बढ़कर 'महासागर' दृष्टि तक विकसित हुई है।

श्रीनगर-बारामूला हाईवे पर संदिग्ध वस्तु बरामद, सुरक्षाबलों ने सील किया इलाका

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब सुरक्षाबलों को सड़क के किनारे एक संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। ऐसी आशंका है कि यह आईईडी हो सकती है, जिसे किसी बड़ी साजिश के तहत वहां रखा गया था। जवानों ने तुरंत इलाके को घेर लिया है और एहतियात के तौर पर दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही रोक दी है, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया है।

प्रयागराज मेले मामले में

101 बटुकों का पूजन करने से नहीं धुल सकता पाप.....

वाराणसी। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा 101 बटुकों को घर पर बुलाकर अंगवस्त्रम और तिलक लगाकर पैर छूकर सम्मान करने पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। कहा कि उन्होंने ये करके अपनी भावना दिखाई है और जताया कि जो प्रयागराज में हुआ वह पाप था उसको धोने के लिए मैं अपना प्रयास कर रहा हूं। इससे प्रयागराज में घटना का पाप नहीं धुल सकता है। 101 बटुकों पर पुष्पवर्षा कर और तिलक कर

सम्मानित करना कोई कार्रवाई नहीं है, ये राजनीति है। कहा कि जो वास्तविक पीड़ित है, जिस बटुक की चोटी खींची गई उसके पास जाते कि अपने पसंद के बटुक बुला लिए और चंदन लगा दिए। ये राजनीति नहीं है तो क्या है।

बिना इजाजत विदेशी नहीं जाऊंगा

अनिल अंबानी ने सुप्रीम में टेका माथा; खुद को बताया बेकसूर!

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश के दिग्गज कारोबारी और अरबपति मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कथित बैंक फ्रॉड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में जहां एक ओर प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें नया समन भेजते हुए तलब किया है, तो वहीं दूसरी ओर अनिल अंबानी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर कर ये आश्वासन दिया गया है कि मैं ईडी की जांच में पूरा सहयोग करूंगा और बिना इजाजत देश नहीं छोड़ूंगा। गौरतलब है कि अनिल अंबानी पर ईडी की जांच उनके नेतृत्व वाले रिलायंस ग्रुप से जुड़ी कंपनियों द्वारा कथित 40000 करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग के केस में चल रही है। बैंकिंग और कॉरपोरेट धोखाधड़ी से जुड़े आरोपों की जांच के संबंध में स्ट में एक पीआईएल में एफिडेविट फाइल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में अनिल अंबानी ने कहा कि संबंधित कंपनियों में उनका रोल सिर्फ एक नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर का था और वह उन कंपनियों के रोजाना के मैनेजमेंट या ऑपरेशनल मामलों में बिल्कुल भी शामिल नहीं थे। एफिडेविट में उन्होंने आगे कहा है कि वह बिना पूर्व अनुमति के देश नहीं छोड़ेंगे। अंबानी ने बताया कि जुलाई 2025 में जब इस मामले की ईडी जांच शुरू हुई थी, तब से अब तक उन्होंने भारत नहीं छोड़ा है और फिलहाल भी भारत से बाहर जाने

ईजी रजिस्ट्री और ईजी जमाबंदी तहसीलों के बार-बार चक्कर लगाने का झंझट खत्म

चंडीगढ़। राजस्व सेवाओं में भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए पंजाब सरकार ने ऐसे कदम उठाए हैं जिनकी जनता में जमकर तारीफ होती है। इन कदमों से जहां जनता के काम कम समय में हो रहे हैं वहीं उन्हें अब रिश्वत, सिफारिशों के झंझट से भी मुक्ति मिल गई है। जैसे कि तहसील के बार-बार चक्कर लगाकर परेशान होने वाली जनता की सुविधा के लिए ईजी रजिस्ट्री (जमाबंदी) पोर्टल लॉन्च किया गया। इस पहल ने आसान पंजीकरण परियोजना शुरू की है, जिससे राज्य में पटवारी कल्चर को खत्म कर दिया गया। यह पोर्टल भूमि रिकॉर्ड के लिए पटवारी या राजस्व अधिकारी के पास जाने।

फ्री बीज पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों को दी नसीहत

राज्य घाटे में चल रहे है फिर भी मुफ्त की स्कीमें चल रहीं-सुप्रीम

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने फ्रीबीज (मुफ्त सुविधाओं) पर सख्त टिप्पणी की है और इसे देश की आर्थिक विकास प्रक्रिया के लिए खतरनाक बताया है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य वित्तीय घाटे में चल रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद मुफ्त सेवाओं का वितरण जारी है। सीजेआई ने यह भी कहा कि ऐसे फिजूलखर्ची से देश के आर्थिक विकास को गंभीर नुकसान हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु विद्युत वितरण निगम बनाम केंद्र सरकार मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। सीजेआई ने कहा कि राज्य सरकारें मुफ्त भोजन, साइकिल, बिजली, और अब नकद राशि को सीधे लोगों के खातों में स्थानांतरित कर रही हैं। यह फिजूलखर्ची केवल विकास कार्यों के लिए जरूरी धन को खा रही है। सीजेआई ने कहा कि कल्पना कीजिए, अधिकांश राज्य राजस्व घाटे में हैं, फिर भी यही नीतियां लागू की जा रही हैं। अगर आप सुबह से ही मुफ्त सुविधाएं देने की शुरुआत कर देते हैं, तो विकास के लिए पैसा कहां से आएगा? राज्य को यह हलफनामा दाखिल करना चाहिए कि इस खर्च को कहां से पूरा किया जाएगा। सीजेआई ने यह सवाल उठाया कि अगर राज्य घाटे में चल रहे हैं, तो मुफ्त सुविधाएं देने के लिए धन कहां से आएगा? उन्होंने उदाहरण दिया कि राज्य एक साल में जो राजस्व इकट्ठा करते हैं।

एआई इम्पैक्ट समिट

मोदी बोले-नई तकनीक पर युवा पीढ़ी का भरोसा अभूतपूर्व है

नयी दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तक सभी की पहुंच सुनिश्चित किए जाने और समावेशन एवं सशक्तीकरण के उपकरण के रूप में इसका इस्तेमाल करने की वकालत करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि मनुष्य महज 'डेटा' बिंदु या कच्चा माल बनकर न रह जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का मानना ??है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता दुनिया की भलाई के लिए वास्तव में तभी काम आएगी जब इसे साझा किया जाएगा और इसके कोड सार्वजनिक होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश एआई से डरता नहीं है बल्कि इसमें भविष्य की संभावनाएं देखता है। मोदी ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट' शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमें एआई को खुला आकाश देना है, लेकिन साथ ही लगाम अपने हाथ में रखनी है। इस सम्मेलन में अग्रणी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और दुनियाभर के कई नेताओं ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, एआई हमारे तंत्रों को अधिक स्मार्ट, अधिक दक्ष और अधिक प्रभावी बनाएगा। यह लोगों के लिए रचनात्मक भूमिकाएं अपनाने के और अवसर खोलेगा। यह नवोन्मेष, उद्यमिता और नये उद्योगों के सृजन का बड़ा अवसर है। मोदी ने कहा, कुछ देशों का मानना है कि एआई को गोपनीय और बंद तरीके से विकसित किया जाना चाहिए लेकिन भारत अलग है। हमारा मानना ??है कि एआई सही मायने में दुनिया के हित में तभी काम करेगा जब इसे साझा किया जाएगा और इसके कोड सार्वजनिक होंगे। तभी लाखों युवा दिमाग इसे और बेहतर बना पाएंगे।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज दुनिया में दो तरह के लोग हैं- एक वे जो एआई में डर देखते हैं और दूसरे वे जो एआई में समृद्धि देखते हैं। उन्होंने कहा, मैं गर्व और जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि हमें इसमें डर नहीं दिखता। भारत एआई में समृद्धि देखता है, भारत एआई में भविष्य देखता है। भारत एआई में अवसर और आने वाले कल की रूपरेखा देखता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह प्रदर्शनी भारत में हो रही है, जो मानवता के छठे हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है, जहां दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है और जो प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रतिभा के सबसे बड़े भंडार का केंद्र है। उन्होंने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव इतिहास में एक परिवर्तनकारी अध्याय है। भारत एआई क्रांति का केवल हिस्सा नहीं है, बल्कि वह इसका नेतृत्व कर रहा है और इसे आकार भी दे रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत न केवल प्रौद्योगिकी बनाता है बल्कि उसे अभूतपूर्व गति से अपनाता भी है। उन्होंने कहा, कुछ लोगों को नयी प्रौद्योगिकी को लेकर संदेह है लेकिन युवा पीढ़ी एआई को जिस तरह अपना रही है, वह अभूतपूर्व है। एआई शिखर सम्मेलन की प्रदर्शनी को लेकर भी यहां जबरदस्त उत्साह रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, मानव इतिहास में कुछ ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ रहे हैं जिन्होंने सदियों को आकार दिया है। इन मोड़ ने सभ्यता की दिशा तय की और विकास की रफ्तार को बदल दिया। कृत्रिम मेधा इतिहास में ऐसा ही एक परिवर्तन है।

मुकेश अंबानी का बड़ा एलान, कहा- अगले सात साल में 10 लाख करोड़ का निवेश करेंगे

नई दिल्ली: एआई इंपैक्ट समिट में भारत के अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी ने भी बड़े एलान किए। उन्होंने कहा कि एआई का सबसे अच्छा दौर आना अभी बाकी है। उन्होंने कहा, एआई कई क्षेत्रों में नए दौर की शुरुआत कर सकता है। उन्होंने कहा, दुनिया इस बात पर बहस कर रही है कि क्या एआई के कारण ताकत कुछ लोगों के हाथों में सिमट जाएगी। या एआई सभी के लिए मौके और सबके लिए आसान अवसर का माध्यम बनेगा। उन्होंने मौजूदा दौर में कृत्रिम बुद्धिमता के असर को रेखांकित करते हुए कहा, आज एआई को लेकर दुनिया दोराहे पर खड़ी है। एक रास्ता कम, महंगे एआई और कंट्रोल्ड डाटा की तरफले जाता है।

प्रधानमंत्री आवास के कार्यों का निरीक्षण: ग्राम देवरबीजा में गुणवत्ता व समयबद्धता पर जोर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरबीजा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रेमलता पद्माकर द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की तथा हितग्राहियों और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर आवास निर्माण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, मानक सामग्री के उपयोग एवं निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने पर बल दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक स्वीकृत आवास का कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को शीघ्र ही पक्के आवास का लाभ मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना केंद्र एवं राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हितग्राहियों से निर्माण कार्य की प्रगति, भुगतान की स्थिति तथा आ रही समस्याओं के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और निर्माण कार्य में सक्रिय सहयोग करें, जिससे निर्धारित समय में आवास पूर्ण हो सके।इस अवसर पर जनपद पंचायत बेरला के आवास प्रभारी, ग्राम पंचायत देवरबीजा के सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों को तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया गया तथा लंबित प्रकरणों के

त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आवासहीन एवं कच्चे मकानों में रहने वाले पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। निरीक्षण के माध्यम से प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि योजना का लाभ पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को जिला पुलिस कप्तान द्वारा सम्मानित किया गया

सक्ती/मूक पत्रिका

जिला सक्ती में जनवरी माह में संचालित सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता अंतर्गत हेलमेट वितरण, वाहन चालको को यातायात नियमो की समझाईस, विद्यालयो एवं विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर जनजागरूकता अभियान चलाया गया था। उक्त कार्यक्रम में प्रतिदिन की यातायात व्यवस्था के अतिरिक्त यातायात पुलिस सक्ती द्वारा सराहनीय योगदान देकर कार्यक्रम का सफल संचालन किया था। जिसके फलस्वरूप पुलिस अधीक्षक सक्ती प्रफुल्ल कुमार ठाकुर (भापुसे) द्वारा सक्ती जिले की यातायात टीम को अपने बंगले के कैम्प कार्यालय में बुलाकर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर यातायात प्रभारी निरीक्षक वाय.एन.शर्मा, सउनि सुरेन्द्र सिंह, सुकुल सिंह एवं समस्त स्टाफ उपस्थित थें। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर द्वारा सक्ती मे दिनांक 15.02.2026 को आयोजित शिव बारात में कुशल प्रबंधन के लिए भी पूरी टीम की पीठ थपथपाई तथा कर्मचारियो को उद्बोधन में बताया कि यातायात व्यवस्था किसी भी शहर का आईना होती हैं, आईना साफ रहेगा तो तस्वीर स्वभाविक रूप से सुंदर दिखेगी अतः आप लोग संवेदनशीलता के साथ दृणता से अपना कार्य करें, 03 सवारी, बिना नंबर, बिना हेलमेट एवं नशे का सेवन कर वाहन चलाने के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने का निर्देश दिया। सक्ती जिला बनने के उपरांत पहली बार पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रोत्साहन एवं सम्मान मिलने से पूरी यातायात टीम के जवान प्रसन्न दिखे तथा भविष्य में और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने का संकल्प लियें।

लखपति दीदी की प्रेरक कहानी: स्व-सहायता समूह से जुड़कर प्रीति पटेल बनी आत्मनिर्भर, बदली आर्थिक तस्वीर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासन की महत्वाकांक्षी ग्रामीण आजीविका योजनाओं ने आज गांव-गांव की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। ऐसी ही प्रेरक मिसाल हैं ग्राम धोबानी खुर्द की श्रीमती प्रीति पटेल, जिन्होंने स्व-सहायता समूह से जुड़कर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ की, बल्कि आत्मनिर्भरता की नई पहचान भी बनाई। आज वे ÷लखपति दीदी÷ के रूप में अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन चुकी हैं।प्रीति पटेल बताती हैं, ÷मेरा नाम प्रीति पटेल है और मैं ग्राम धोबानी खुर्द की निवासी हूं। पहले मेरी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर थी। परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो रहा था। 01 जून 2018 को मैं लक्ष्मी स्व-सहायता समूह से जुड़ी। इसके बाद मेरे जीवन में बदलाव की नई शुरुआत हुई।÷ वे आगे बताती हैं कि समूह से जुड़ने के पश्चात उन्हें सामुदायिक निवेश निधि (ष्ट्हृस्न) के रूप में 60,000 रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इसके साथ ही बैंक से ऋण लेकर उन्होंने सब्जी एवं बड़ी (पापड़-बड़ी) निर्माण का कार्य प्रारंभ किया। नियमित आय शुरू होने से परिवार की आर्थिक स्थिति में तेजी से सुधार आया। प्रीति कहती हैं, ÷समूह की मदद और शासन की योजनाओं के सहयोग से मैंने सब्जी उत्पादन के साथ-साथ बकरी पालन और गाय पालन का कार्य भी शुरू किया। आज मैं एक सक्रिय महिला सदस्य के रूप में गांव की अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरित करती हूं।÷राज्य शासन की महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण आजीविका योजनाओं–विशेष रूप से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (हत्र्क्ररू) तथा ÷लखपति दीदी÷ अभियान–के तहत महिलाओं को वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण एवं विपणन सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और उनकी वार्षिक आय को एक लाख रुपये से अधिक तक पहुंचाना है। प्रीति पटेल को शासन की आवास योजना का भी लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि बैंक ऋण लेकर तथा शासकीय सहायता से उन्होंने अपना पक्का घर बनवाया है। ÷पहले कच्चे घर में रहते थे, आज हमारा खुद का पक्का मकान है। यह सब समूह से जुड़ने और शासन की योजनाओं के कारण संभव हुआ,÷ वे गर्व से कहती हैं। प्रीति पटेल की सफलता यह दर्शाती है कि यदि महिलाएं संगठित होकर स्व-सहायता समूह से जुड़ें और शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं, तो वे आर्थिक रूप से सशक्त बनकर अपने परिवार और समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। उनकी यह यात्रा ग्रामीण महिलाओं के लिए आशा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की प्रेरक कहानी बन चुकी है।

नौघटा में फाइलेरिया के खिलाफजंग, घर-घर पहुंची दवा, सरपंच और स्वास्थ्य टीम ने संभाली कमान..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सरिया तहसील के ग्राम पंचायत नौघटा में इन दिनों फाइलेरिया यानी हाथीपांव के खिलाफ विशेष अभियान चल रहा है। गांव में सरपंच संगीता विरेन्द्र पटेल की अगुवाई में लोगों को घर-घर जाकर दवा खिलाई जा रही है।

इस अभियान में गांव की मितानिन चंद्रमा महंत, जशोबंती पटेल और पोषण सखी सविता डनसेना, दीपिका पटेल, प्रियंका पटेल सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। बता दें कि जिले के कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजी के निर्देश और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से यह अभियान 10 फरवरी से 25 फरवरी तक चलाया जा रहा है। आंगनवाड़ी केंद्र, शालाएं और सरकारी कार्यालयों को बूथ बनाया गया है, जहां लक्षित लोगों को मौके पर ही दवा खिलाई जा रही है।

सामने खिलाई जा रही दवा–स्वास्थ्य विभाग का साफ निर्देश है कि फाइलेरिया की दवा लोगों को सामने ही खिलाई जाए। कई लोग ÷बाद में खा लेंगे÷ कहकर दवा ले तो लेते हैं, लेकिन खाते नहीं हैं। ऐसे में बीमारी का खतरा बना रहता है। फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है, जो एक बार होने पर जिंदगी भर परेशान कर सकती है।

जागरूकता भी, समझाइश भी– अभियान के दौरान टीम लोगों को यह भी समझा रही है कि यह दवा सुरक्षित है और बीमारी से बचाव के लिए जरूरी है। ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि दवा जरूर खाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। गांव में इस अभियान को लेकर अच्छा उत्साह देखा जा रहा है। स्वास्थ्य टीम का कहना है कि अगर सभी लोग दवा समय पर खा लें तो फाइलेरिया को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

जिले की सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती - 100 आधुनिक मोटरसाइकिलें सुपुर्द, 'मोर मितान' अभियान का भी शुभारंभ

कांकेर/मूक पत्रिका

जिले की सुरक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में दो महत्वपूर्ण पहल एक साथ संपन्न हुई। शासन द्वारा प्रदत्त 100 आधुनिक मोटरसाइकिलें छ्रञ्न जवानों एवं विभिन्न थानों को विधायक आशाराम नेताम के मुख्य आतिथ्य में वितरित की गई, वहीं बढ़ती नशे की प्रवृत्ति एवं आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु ÷मोर मितान÷ अभियान का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विधायक आशाराम नेताम, पुलिस अधीक्षक निखिल रखेचा एवं नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक,मीडिया प्रतिनिधियों एवं पत्रकार बंधु और प्रशासन की गरिमामयी उपस्थिति रही। वाहनों की पूजा-अर्चना के पश्चात हरी झंडी दिखाकर मोटरसाइकिलों को रवाना किया गया। इन आधुनिक वाहनों से जवानों की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ेगी तथा दुर्गम क्षेत्रों में गश्त और अभियान को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर ÷मोर मितान÷ पहल की शुरुआत करते हुए बताया गया कि पुलिस अब गांव-गांव तक पहुंचकर युवाओं को नशे से दूर रखने, अपराध की रोकथाम तथा जनसंवाद को मजबूत करने का कार्य करेगी। अभियान का उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच की दूरियों को समाप्त कर विश्वास, सहयोग और मित्रता का वातावरण स्थापित करना है।विधायक आशाराम नेताम ने इसे जनसुरक्षा और नशामुक्त समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया, वहीं पुलिस अधीक्षक निखिल रखेचा ने कहा कि आधुनिक संसाधनों एवं जनसहभागिता के माध्यम से जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। जिले में सुरक्षा सुदृढ़ीकरण और जन-जागरूकता की इन दोहरी पहलों को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

बढ़ते अतिक्रमण की मार झेल रहा पुराना नाला, नालो पर बढ़ता अतिक्रमण नाली को पाटा, पानी निकासी का रास्ता बंद

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ शहर में हर साल जल भराव होता है। दो घंटे की मूसलाधार बारिश में ही कई कॉलोनियां डूब जाती हैं। इसकी वजह नाले और नालियों पर बढ़ता अतिक्रमण है। कोतरा रोड क्षेत्र में भी गजानंदपुरम की ओर से निकलने वाले नाली को पाट दिया गया है।

बरसात में जो कॉलोनियां तालाब बन जाती हैं, उनकी समस्या के निराकरण का कोई ठोस उपाय न तो नगर निगम कर पाया है और न ही राजस्व विभाग शहर के नालो-नालियों के किनारे हो रहे अवैध निर्माण बाधा बनते जा रहे हैं। कई ऐसे भी क्षेत्र हैं जहां पुराने प्रचलित नाले से बारिश का पानी निकलता रहा है। कोतरा रोड क्षेत्र में गजानंदपुरम और आसपास के अन्य मोहल्लों का गंदा पानी स्वाभावित रूप से नीचे की ओर बहता है। बीच में एक पुराना नाला बहता था जिससे होकर पानी आसानी से निकल जाता था, लेकिन अब यह नाला गायब हो चुका है। सैकड़ों टन मलबा और फ्लाईएश नाले पर पाटा जा चुका है। अलंकार फार्म हाउस किचन, केंद्रीय बुनकर एवं हथकरघा कार्यालय, डॉ. पीके पटेल के मकान के पीछे से होकर पानी निकलता था।

जहां से पानी निकल रहा था, उस जगह पर मलबा पाटकर ऊंचा कर दिया गया है। अंत में जो जमीन थी, वहां अब तिरुपति मार्बल्स खुल गया है। गजानंदपुरम की बाउंड्री तक दीवार खड़ी कर दी गई है। अब पानी निकलने का रास्ता पूरी तरह बंद हो चुका है। बारिश का पानी अब बीच के मकानों में घुसेगा

पुराने नाले पर बनाई दीवार

इस क्षेत्र का बारिश का पानी बहकर नीचे की ओर निकलता था और बड़े नाले में मिलता था। खाली जमीन पर नाले को घेरते हुए दीवार बना दी गई है। अगली बारिश में गजानंदपुरम और आसपास के मोहल्ले मुश्किल में होंगे। पूरा पानी कॉलोनी के अंदर ही भर जाएगा।

गुरु घासीदास बाबा जी के आशीर्वाद से विशाल सतनाम सद्भाव यात्रा का हुआ दिव्य शुभारंभ

बोल रहा अब हिंदुस्तान, मनखे–मनखे एक समान – समानता और समरसता का पदयात्रा

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की शुभकामनाओं के साथ सद्भाव पदयात्रा का भव्य शुभारंभ

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के नेतृत्व में सामाजिक एकता का विराट अभियान

सारागांव में प्रथम दिवस का पड़ाव, 35 किमी की सफल यात्रा पूर्ण

रायपुर/बलौदाबाजार/मूक पत्रिका

परम् पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी के पावन आशीर्वाद एवं राजागुरु धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब जी के सानिध्य में सतनाम भवन, मोवा (रायपुर) से माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी की शुभकामनाओं के साथ ÷बोल रहा अब हिंदुस्तान, मनखेङ्कमनखे एक समान÷ के दिव्य संदेश को आत्मसात करते हुए विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा श्वेत झंडी के साथ अत्यंत भव्य एवं ऐतिहासिक शुभारंभ हुआ। प्रदेश की राजधानी रायपुर से प्रारंभ हुई यह पांच दिवसीय आध्यात्मिक एवं सामाजिक चेतना यात्रा परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी की जन्मभूमि गिरौदपुरी धाम तक पहुंचेगी। प्रथम दिवस में लगभग 35 किलोमीटर की सफल एवं अनुशासित यात्रा पूर्ण की गई।पदयात्रा का प्रथम दिवस रात्रि विश्राम सारागांव में निर्धारित है।राजधानी रायपुर की पावन धरा समानता, श्रद्धा, आस्था और एकता के अनुपम उत्सव की साक्षी बनी। सुसज्जित पंथी दलों की मनोहारी प्रस्तुतियां, अखाड़ा दलों का शौर्य प्रदर्शन, डीजे की लयबद्ध ध्वनि तथा साहेब सतनाम के गगनभेदी जयघोष से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा। जनसमूह के उत्साह और अनुशासन ने इस यात्रा को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया।यात्रा के विभिन्न पड़ावों – विधानसभा,सेमरिया, दोंदेखुर्द एवं दोंदेकला सहित अन्य स्थानों पर सतनामी समाज, सर्व समाज, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा आत्मीय स्वागत एवं पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया गया। गांव-गांव में उमड़े जनसैलाब ने सामाजिक समरसता के इस अभियान को व्यापक जनसमर्थन प्रदान किया।

जगह - जगह आतिशबाजी के साथ हुआ भव्य स्वागत एवं अभिनंदन–कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी के नेतृत्व में निकले विशाल सतनाम सद्भाव पदयात्रा का जगहङ्कजगह भव्य स्वागत कर अभिनंदन किया गया। श्रद्धालुओं एवं समाजजनों ने पुष्पवर्षा, गजमाला पहनाकर कर पदयात्रियों का अभिनंदन किया। पूरा मार्ग में साहेब सतनाम, जय सतनाम के जयकारों से गूंज गया था।

पंथी एवं अखाड़ा दल के प्रदर्शन ने किया मंत्रमुग्ध–पंथी एवं सतनाम अखाड़ा के मनमोहक प्रदर्शन ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक वेशभूषा, जोशपूर्ण नृत्य और आध्यात्मिक भाव से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्ति और उत्साह से भर दिया। सतनाम के जयकारों के बीच कलाकारों ने परम पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी के संदेश को जीवंत कर सामाजिक समरसता, एकता और सांस्कृतिक गौरव का अद्भुत प्रदर्शन किया।

यात्रा के साथ-साथ संस्कृति कार्यक्रम का अद्भुत आयोजन–सांस्कृतिक कार्यक्रम का यह भव्य आयोजन छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं, लोकनृत्यों, लोकगीतों और पारंपरिक संस्कृति को सहेजने एवं नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक प्रेरणादायी प्रयास किया गया है। ऐसे आयोजन हमारी मिट्टी की खुशबू, हमारी पहचान और हमारी गौरवशाली विरासत को जीवंत करने के साथ ही समाज में एकता, सद्भाव और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत बनाते हैं। वही यात्रा के सुचारू संचालन एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुलिस विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की विशेष व्यवस्था की गई है। सुरक्षा बल, चिकित्सा दल एवं एंबुलेंस सेवाएं पदयात्रा के साथ निरंतर संचालित हो रही हैं, जिससे यह आयोजन अनुशासित, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो रहा है। माननीय मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने कहा कि– यह यात्रा केवल कदमों का संगम नहीं, बल्कि हृदयों का पवित्र मिलन है। 'मनखेङ्कमनखे एक समान' का संदेश जनङ्कजन तक पहुंचाकर सामाजिक समरसता,समानता और भाईचारे को सुदृढ़ करना हमारा संकल्प है। यह अभियान प्रदेश में नई चेतना और सकारात्मक परिवर्तन का सूत्रपात करेगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर विधायकगण, विभिन्न बोर्ड/आयोग/मंडल/निगम के अध्यक्षगण, अखिल भारतीय सतनाम सेना के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। परम् पूज्य गुरु घासीदास बाबा जी के चरणों में नमन करते हुए समस्त प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की गई।

प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना में अधिक से अधिक पंजीयन हेतु विशेष अभियान

पात्र किसानों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर प्रतिमाह ?3000 की सुनिश्चित पेंशन

आयु अनुसार बैंक खाते से होगा ?55 से ?200 तक मासिक अंशदान ऑटो-डेबिट

सारंगढ़-बिलाईगढ़,/मूक पत्रिका

जिले के लघु एवं सीमांत किसानों को वृद्धावस्था में सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने हेतु केंद्र शासन की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत पात्र किसानों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर प्रतिमाह ?3000 की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाती है। जिला प्रशासन द्वारा सभी विकासखंडों में योजना के व्यापक प्रचार -प्रसार एवं अधिक से अधिक पात्र किसानों के पंजीयन हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कृषि विभाग एवं संबंधित मैदानी अमला ग्राम स्तर पर किसानों को योजना की जानकारी प्रदान कर रहा है ।

योजना की प्रमुख पात्रता-इस योजना के लाभ के लिए किसान की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए, अधिकतम 2 हेक्टेयर तक कृषि भूमि धारक, आयकरदाता नहीं होना चाहिए, ईपीएफओ, राज्य कर्मचारी बीमा निगम (ईएसआईसी) और एनपीएस के सदस्य नहीं होना चाहिए।आवश्यक दस्तावेज में आधार कार्ड, बैंक पासबुक (आधार लिंक), मोबाइल नंबर अनिवार्य है। पात्र किसान अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में जाकर पंजीयन करा सकते हैं। आयु के अनुसार ?55 से ?200 तक मासिक अंशदान निर्धारित है, जो बैंक खाते से ऑटो-डेबिट के माध्यम से जमा होगा।

किसानों से योजना का लाभ लेने कलेक्टर की अपील- कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे द्वारा जिले के सभी पात्र किसानों से अपील की है कि वे योजना का लाभ लेने हेतु समय पर पंजीयन कराएं एवं अपने भविष्य को सुरक्षित बनाएं । साथ ही ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों एवं सीएससी संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे अधिकतम किसानों तक जानकारी पहुंचाकर लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी हेतु संबंधित विकासखंड कृषि कार्यालय या सीएससी केंद्र से संपर्क किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना) का फ्लो चार्ट- *पंजीयन से पेंशन तक पूरी प्रक्रिया की शुरुआत पात्र किसान की पहचान, पात्रता जांच (आयु 18ङ्क40 वर्ष, 2.000 हेक्टेयर से कम या 2.000 हेक्टेयर भूमि,

आयकरदाता नहीं, ईपीएफओ, राज्य कर्मचारी बीमा निगम (ईएसआईसी) और एनपीएस सदस्य नहीं), आवश्यक दस्तावेज तैयार (आधार, बैंक पासबुक-आधार लिंक, मोबाइल) सीएससी केंद्र पर पंजीयन, [आधार सत्यापन + ऑटो डेबिट सहमति], मासिक अंशदान जमा (55 - ?200 आयु अनुसार), 60 वर्ष पूर्ण, [?3000 प्रतिमाह पेंशन], मृत्यु की स्थिति में जीवनसाथी को 50त्न पारिवारिक पेंशन अंतिम है।

83 किलो 800 ग्राम गांजा परिवहन के मामले में फरार चल रहे आरोपी को सरिया पुलिस ने अंबिकापुर से किया गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी :-अनिल दास पिता स्व. दिवाकर दास उम्र 25 वर्ष सा कर्रा थाना दरिमा,जिला सरगुजा (छ. ग.)

सारंगढ़-बिलाईगढ़,/मूक पत्रिका

जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के पुलिस अधीक्षक महोदय श्री आंजनेय वार्ष्णेय के द्वारा जिले के सभी थाना/चौकी प्रभारियों को अवैध मादक पदार्थ गांजा खरीदी बिक्री,परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों पर कड़ी कार्यवाही करने तथा एंड टू एंड विवेचना हेतु निर्देशित करने पर अति० पुलिस अधीक्षक श्रीमती निमिषा पाण्डेय , उप पुलिस अधीक्षक सुश्री संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रमोद यादव के कुशल नेतृत्व मे गांजा परिवहन के मामले में सरिया पुलिस को एक आरोपी को अंबिकापुर से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है। विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 22/12/2025 को मारुति आर्टिगा कार क्रमांक ष्टत्र 15 ष्टङ्क 1742 में उड़ीसा से गांजा परिवहन की सूचना पर आर्टिगा कार की घेराबंदी दौरान कार का चालक भटली चौक सरिया में कार को छोड़कर घने कोहरे का फायदा उठाकर भाग गया । आर्टिगा कार की तलाशी लेने पर 80 किलो 800 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद होने पर कार चालक के खिलाफ अप क्र 275/25 धारा 20 क्र ठ्ठस्त्रश्चह्य एक्ट थाना सरिया में कायम किया जाकर दौरान विवेचना 01 आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था। अपराध कायमी पश्चात से घटना में शामिल अन्य आरोपी अनिल दास पिता स्व दिवाकर दास उम्र 25 वर्ष सा कर्रा, थाना दरिमा जिला सरगुजा फरार चल रहा था जिसे आज अंबिकापुर से लाकर पूछताछ करने पर घटना दिनांक को पुलिस की घेराबंदी से डरकर कार छोड़कर भाग जाना तथा पूरी घटना में शामिल होना बताया। आरोपी अनिल दास को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रमोद यादव , सउनि सुमन चौहान,प्र0आर0- मोहन गुप्ता,सुरेंद्र सिदार आरक्षक- नरेंद्र चंद्रा,लक्ष्मी पटेल,,साइबर सेल प्रभारी रामकुमार मानिकपुरी,दीपक मैत्री और समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

कांकेर पुलिस की बड़ी सफलता शादी का झांसा देकर शोषण करने वाला आरोपी प्रोफेसर सलाखों के पीछे

कांकेर /मूक पत्रिका

कोड़ेकुर्से कांकेर महिलाओं की सुरक्षा और अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई के संकल्प को दोहराते हुए कांकेर पुलिस ने एक गंभीर मामले का खुलासा किया है। थाना कोड़ेकुर्से पुलिस ने शादी का प्रलोभन देकर युवती का लंबे समय तक शोषण करने वाले आरोपी प्रोफेसर को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। मलेरिया वर्कर के रूप में दी थी दस्तक, फिर किया विश्वासघातमिली जानकारी के अनुसार, आरोपी सतीष कुमार गोटा (उम्र 34 वर्ष), जो कि ग्राम बोगर (नदीपारा), थाना भानुप्रतापपुर का निवासी है, पीड़िता के घर पर रहकर मलेरिया वर्कर के रूप में कार्य करता था। पीड़िता का दूर का रिश्तेदार होने के नाते परिवार ने उस पर भरोसा किया, लेकिन आरोपी ने इसी भरोसे का फायदा उठाया। आरोप है कि वर्ष 2013 से 2021 के बीच आरोपी ने शादी का झांसा देकर पीड़िता का लगातार शारीरिक शोषण किया। लोक-लाज और सामाजिक डर के कारण पीड़िता लंबे समय तक चुप रही, लेकिन अंततः न्याय की उम्मीद में पुलिस की शरण ली। पुलिस की प्रोफेशनल और त्वरित कार्यवाही मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देश पर श्रीमाल ्रस्क्क भानुप्रतापपुर के कुशल मार्गदर्शन और श्री शेर बहादुर सिंह ठाकुर स्ठ्ठह्रक्क भानुप्रतापपुर के सूक्ष्म पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी कोड़ेकुर्से द्वारा विशेष टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी सतीष कुमार गोटा को अभिरक्षा में लिया। सघन पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार किया, जिसके बाद 18 फरवरी 2026 को उसे विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय के आदेशानुसार आरोपी प्रोफेसर को जेल दाखिल कर दिया गया है। पुलिस टीम की इस कार्यवाही को अंजाम देने वाली टीम में निरीक्षक योगेश कुमार सोनी, सउनि सनातन सरकार, सउनि कलावती थापा, प्रधान आरक्षक कृष्णा यादव, आरक्षक रूपेश कोड़ोपी, आरक्षक बिजय नेताम और महिला आरक्षक हुलसी साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अधिकारियों ने पुलिस टीम की इस कार्यकुशलता की सराहना की है।कांकेर पुलिस की प्रतिबद्धताः ÷डरें नहीं, शिकायत करें÷ कांकेर पुलिस ने इस सफल कार्यवाही के साथ ही आम जनता, विशेषकर महिलाओं और बालिकाओं के लिए अपील जारी की है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की हिंसा या प्रताड़ना की स्थिति में महिला रक्षा टीम के नंबर 94791-55925 पर बेझिझक संपर्क करें। आपकी पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी।

टसर कृमिपालन से मिली पलायनमुक्ति और आत्मनिर्भर बने ध्रुवकुमार

सफलता की कहानी-कोसा कृमिपालन से पक्का घर, नई मोटरसायकल और बच्चों को अच्छी शिक्षा दे रहे हैं ध्रुवकुमार

कम लागत अच्छी कमाई, कोसाफल से ध्रुवकुमार को मिली समृद्धि

सारंगढ़-बिलाईगढ़,/मूक पत्रिका

जिले के बरमकेला विकासखंड के ग्राम सण्डा (तोरना) रेशम विभाग की योजना से जुड़े हितग्राही ध्रुव कुमार की कहानी प्रेरणादायक के साथ ही संघर्ष उद्यमशीलता और आत्मविश्वास की मिसाल है। पहले जब गांव में कोई काम नहीं था तो काम की तलाश में घर से दूर जाकर मजदूरी करते थे। सीमित आय और अनिश्चित मजदूरी से परिवार चलाना उनके लिए बहुत कठिन था परन्तु उन्होंने परिस्थितियों के सामने घुटने टेकने के बजाए अतिरिक्त आय का साधन ढूँढना शुरू किया और वे रेशम प्रभाग की टसर कृमिपालन योजना से जुड़े। टसर कृमिपालन उपरांत टसर कोसाफल के विक्रय से अच्छी आमदनी होने से घर समृद्ध तो हुआ ही स्थानीय स्तर पर ही रोजगार प्राप्त होने की वजह से उनके परिवार का कोई भी सदस्य मजदूरी या अन्य कार्य हेतु विस्थापित नहीं हुआ। विगत 03 वर्षो से ध्रुव कुमार टसर कृमिपालन कार्य द्वारा वर्ष 2022-23 में 119340 रूपये, वर्ष 2023-24 में 127731 रूपये, वर्ष 2024-25 में 321058 रूपये एवं वर्ष 2025-26में अब तक 173320 रूपये आय अर्जित कर चुके हैं, जिसका उपयोग उन्होंने अपने कच्चे घर को पक्का करने में एवं दैनिक उपयोग के लिए 01 नया मोटर सायकल खरीदा है। स्थानीय स्तर पर कोसा कृमिपालन कार्य से होने वाले आय को वे अपने कृषि कार्य में लगाकर अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर रहे हैं, जिससे आज उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई एवं बच्चों को भी अच्छी शिक्षा दे पा रहे हैं।

मट्टी मड़का में 'रिवर एडवेंचर फेस्ट' का आयोजन, इंद्रावती तट पर युवाओं ने दिखाया उत्साह जिला प्रशासन की पहल, दूरस्थ गांवों के आदिवासी बच्चों ने पहली बार आजमाए साहसिक खेल

बीजापुर। मट्टी मड़का में आयोजित ÷रिवर एडवेंचर फेस्ट÷ के दौरान इंद्रावती नदी का तट रोमांच और उत्साह से सराबोर नजर आया। जिला प्रशासन बीजापुर की पहल पर हुए इस आयोजन में अंदरूनी गांवों से बड़ी संख्या में बच्चे और युवा शामिल हुए।कार्यक्रम में जिपलाइन, बंजी जंपिंग, जुमरिंग, रॉक क्लाइंबिंग, पैराग्लाइडिंग, एटीवी राइड, तीरंदाजी, बीच वॉलीबॉल और रिवर कैंपिंग जैसी गतिविधियां कराई गईं। कई प्रतिभागियों ने पहली बार इन खेलों में हिस्सा लिया। शुरुआत में संकोच दिखा, लेकिन प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में बच्चों ने हिम्मत दिखाई और पूरे उत्साह से भाग लिया।रात में खुले आसमान के नीचे स्टार गेजिंग और दिन में स्थानीय व्यंजनों की व्यवस्था भी की गई। आयोजन का उद्देश्य युवाओं में साहसिक खेलों के प्रति रुचि बढ़ाना और क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाओं को प्रोत्साहन देना बताया गया।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जिले में चल रही विकास पहलों के बीच इस आयोजन को सकारात्मक कदम माना जा रहा है। कलेक्टर संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे सहित अन्य अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कलेक्टर ने स्वयं बच्चों के साथ जिपलाइन कर उनका उत्साह बढ़ाया।कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने प्रतिभागियों के साथ बैठकर भोजन भी किया। इससे प्रशासन और ग्रामीणों के बीच बेहतर संवाद और विश्वास का संदेश गया।बीजापुर के मट्टी मड़का में आयोजित यह फेस्ट युवाओं के लिए नया अनुभव साबित हुआ और क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बनाने की दिशा में एक अहम पहल के रूप में देखा जा रहा है।

सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता, सड़क किनारे लगे दो आईईडी बरामद

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । जिले में सुरक्षा बलों को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। थाना ईलमिड़ी क्षेत्र में संयुक्त अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने माओवादियों द्वारा लगाए गए दो शक्तिशाली आईईडी को बरामद कर उन्हें नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई गुरुवार को ईलमिड़ी-मुलाजकांकेर मार्ग पर की गई।पुलिस से बिते गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार, थाना ईलमिड़ी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (छसबल) की 9/डी कंपनी और बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) बीजापुर की संयुक्त टीम एरिया डॉमिनेशन और डिमाइनिंग (बम निरोधक) अभियान पर निकली थी। इस दौरान जैसे ही टीम ईलमिड़ी से मुजालकांकेर मार्ग पर पहुंची, बीडीएस की टीम ने अपनी सतर्कता दिखाते हुए सड़क के बीचों-बीच दबे दो संदिग्ध बर्तनों को देखा। बारीकी से जांच करने पर पता चला कि ये बर्तन माओवादियों द्वारा लगाए गए 10-10 किलोग्राम वजन के दो आईईडी थे। खास बात यह रही कि इन दोनों विस्फोटकों को आपस में सीरीज में जोड़ा गया था, जिससे इनकी विनाशक क्षमता काफी अधिक थी। माओवादियों की मंशा सुरक्षा बलों के वाहनों को इस जाल में फंसाकर बड़ी घटना को अंजाम देने की थी।हालांकि, सुरक्षा बलों की सूझबूझ और बीडीएस टीम की तत्परता से यह साजिश पूरी तरह विफल हो गई। बीडीएस बीजापुर की टीम ने निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए मौके पर ही दोनों आईईडी को सुरक्षित रूप से नष्ट कर दिया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में बड़ा नुकसान होने से टल गया।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि माओवादी अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए इस तरह के घातक आईईडी का इस्तेमाल करते हैं। क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सर्चिंग और एरिया डॉमिनेशन अभियान लगातार जारी रहेगा।

जिले के सभी ब्लॉक के सरपंच सचिव, ठेकेदारों का कलेक्टर ने बैठक लेकर अधूरे कार्य को पूर्ण करने का निर्देश दिए

एक्शन मोड में कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे, जल जीवन मिशन की ली मैराथन बैठक

4 ठेकेदारों को पेनाल्टी के साथ थमाया नोटिस, 1 ठेकदार ब्लैक लिस्टेड

गर्मी के पहले जिले के सभी गांवों तक जल पहुंचाने कलेक्टर का लक्ष्य

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

गर्मी के पहले जिले के सभी गांवों तक जल पहुंचाने के लक्ष्य के मद्देनजर कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में गुरुवार को सुबह 10.30 से शाम 5 बजे तक अलग अलग पाली में, जिले के तीनों ब्लॉकों के सरपंच, सचिव एवं ठेकेदारों की जिला स्तरीय मैराथन बैठक लेकर जल जीवन मिशन की विस्तृत समीक्षा की।बैठक में अधूरे कार्यों पर कड़ी नाराज़गी जताते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिया कि गर्मी के मौसम से पहले हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीणों को नियमित पेयजल उपलब्ध कराना है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिले में कुल 721 गांवों में जल जीवन मिशन की कार्य योजना संचालित है। इनमें से 324 गांवों में कार्य पूर्ण हो चुका है। 124 गांवों में कार्य अधूरा है, जिन्हें शीघ्र पूर्ण कराने के लिए ही यह मैराथन बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी लंबित कार्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण कर ग्रामीणों को पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई जाए।बैठक में अनुपस्थित ठेकेदारों से मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन संपर्क कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। 30 मार्च तक लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान पाया गया कि कई ग्राम पंचायतों में पानी टंकी के पास बाउंड्रीवाल नहीं बनी है, पाइपलाइन अधूरी है तथा जल स्त्रोत की कमी है। कलेक्टर ने संबंधित विभाग को निर्देशित किया कि सभी अधूरे कार्यों को 30 मार्च तक पूर्ण कर लक्ष्य हासिल किया जाए। कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने स्पष्ट कहा कि जिन ठेकेदारों द्वारा लंबे समय से कार्य बंद रखा गया है, उनके खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि गर्मी के मौसम में ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े।

1 ठेकेदार ब्लैकलिस्ट-ग्राम पंचायत पीपरडुला एवं ठरकपुर में कार्य अधूरा छोड़ने पर ठेकेदार रामनारायण देवांगन (कटगी) को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए गए।

4 ठेकेदारों को पेनाल्टी सहित नोटिस- जिन ठेकेदारों को पेनाल्टी के साथ नोटिस जारी किया गया, उनमें साई ट्रेडर्स (ठरकपुर),सौमित्र कंस्ट्रक्शन (जांजगीर), शिवम कुमार (रायपुर), अन्य ठेकेदार शामिल है।जिनको नोटिस जारी उन ठेकेदारो के नाम कारण बताओ नोटिस जारी किए गए उन ठेकेदारों में श्री महालक्ष्मी इंफ्राकामसाजन गुप्ता (रायगढ़), बेरी एसोसिएट (कोरबा), तायल इंफ्रास्ट्रक्चर, समीक्षा कंस्ट्रक्शन (बिलासपुर), वैष्णवी कंस्ट्रक्शन (रायपुर), आर्या कंस्ट्रक्शन फिरदोस आलम बिलासपुर, अफरोज आलम बिलासपुर शामिल है।

ग्राम पंचायतों को गुणवत्ता के साथ काम करने के सख्त निर्देश-

कलेक्टर ने ग्राम बगलोटा में कार्य में लापरवाही पर पीएचई विभाग के आर्या कंस्ट्रक्शन के खिलाफनोटिस जारी करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत बेलटेकरी में नल-जल योजना का कार्य शीघ्र पूर्ण कर हैंडओवर करने के निर्देश दिए ।

ग्राम पंचायत सुरगुली में बाउंड्रीवाल निर्माण एवं योजना का शीघ्र हस्तांतरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साहू कंस्ट्रक्शन एवं मटेरियल सप्लायर पर पेनाल्टी लगाकर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत रोहिना में अमरेला बिल्डर्स द्वारा 2024 से कार्य बंद रखने पर नोटिस जारी कर पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए ।

संपादकीय

व्यापारिक समझौता, शब्दों का फेर या कूटनीतिक जीत?

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते का अंतिम स्वरूप में पहुंचना अभी बाकी है, लेकिन इस बीच इसके अहम बिंदुओं के नफे-नुकसान के मसले पर जो बहस चल रही है, उसके असर भी सामने आ रहे हैं। गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के शुरुआती स्वरूप में कई अन्य अमेरिकी वस्तुओं सहित कुछ दालों पर भी भारत की ओर से शुल्क कम या समाप्त करने की खबर आई थी।मगर भविष्य में भारतीय कृषि और किसानों पर इसका व्यापक असर पड़ने की आशंका जताई गई। अब अमेरिका की ओर से जारी नए तथ्य-पत्र में कई महत्त्वपूर्ण संशोधन किए गए हैं और कुछ शब्दों में भी बदलाव किया गया है। मसलन, समझौते के प्रारूप में पहले जहां भारत की ओर से पांच सौ अरब डालर से अधिक मूल्य के अमेरिकी उत्पाद खरीदने को 'प्रतिबद्धता' बताया गया था।वहीं संशोधित संस्करण में इसे खरीदने के 'इरादे' के रूप में पेश किया गया है। यानी यह नियम अब भारत के लिए बाध्यकारी नहीं होगा। इसके अलावा, संशोधन के बाद समझौते के प्रारूप में से कई कृषि वस्तुओं, खासकर दालों को इस सूची से बाहर करने की खबर है। इसके बाद स्वाभाविक ही भारतीय कृषि क्षेत्र में अमेरिका की ओर से खड़ी होने वाली प्रतिस्पर्धा से राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। यों भी, भारत दालों के मामले में विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक देश है।इसी वजह से खासतौर पर दालों को किसी भी व्यापार समझौते में कृषि क्षेत्र के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दा माना जाता रहा है। हाल ही में जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते में सहमति के स्तर तक पहुंचने की खबरें आई थीं, तब अमेरिका की ओर से शुल्क अठारह फीसद करने सहित इसके सकारात्मक पहलुओं की खासी चर्चा हुई थी। मगर कृषि तथा अन्य उत्पादों के संबंध में भारत के रुख को लेकर कई तरह की चिंता भी उभरी थी।यह आशंका जताई गई कि अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों तथा अन्य वस्तुओं को भारत में निर्बाध छूट दी गई, तो यहां के कृषि क्षेत्र पर इसका व्यापक असर पड़ेगा। इसीलिए किसानों की ओर से विरोध के स्वर भी उभरे। विपक्षी दलों ने भी ऊर्जा सुरक्षा और किसानों की अनदेखी का आरोप लगाया।इन उतार-चढ़ावों के बीच व्यापार समझौते के प्रारूप में अब जिन बदलावों की खबर आई है, वह भारत के लिए सकारात्मक और राहत की बात साबित हो सकती है। इसमें कोई दोराय नहीं कि भारत और अमेरिका के बीच कारोबारी साझेदारी कसौटी पर तभी उचित साबित हो सकती है, जब इसमें परस्पर और समान हित पर आधारित शर्तें शामिल हों। अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मामले में अमेरिका और भारत की स्थिति को एक समान आधार पर नहीं देखा जा सकता।इसलिए दोनों देशों के बीच होने वाले समझौते में संतुलन के कारक संदर्भों पर निर्भर करेंगे।

केंद्रीय बजट विश्लेषण

स्पीड, स्केल और संकल्प का केंद्रीय बजट

सीए अखिलेश जैन

सन् 2014 में प्रति व्यक्ति की आय 86647 रुपए सालाना थी, 2023 में बढ़कर 172000 रुपए सालाना हो गई, 2026 में लगभग 2.5 लाख से 2.72 लाख रुपए सालाना के बीच तक पहुंचने का अनुमान है, इस बीच में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का भी देश ने सामना किया। कोरोना के बावजूद 2022-23 में प्रति व्यक्ति आय 172000 रुपए सालाना, मतलब लगभग 9 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में, प्रधानमंत्री जी वैश्विक अनिश्चिताओं, वैश्विक उथल-पुथल, वैश्विक महामारी के बाद भी 172000 रुपए सालाना आय के लक्ष्य प्राप्त करने में सफल रहे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ना तो छोटा सोचते हैं, ना छोटा करते हैं। स्पीड और स्केल अपने आप में भिन्न होती है। कार्यों के परिणाम भी भिन्न होते हैं। प्रधानमंत्री जी के लक्ष्य भी भिन्न होते हैं। प्रधानमंत्री जी कार्य शुरू करके उसको 100त्न तक पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह बात बिल्कुल सही है प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2014 में जब से देश की सत्ता संभाली है, देश के स्थापित लक्ष्यों को पीछे छोड़ते हुए जिस स्पीड और स्केल से कार्य किया है, रात दिन एक करके बिना विश्राम लिए, वह किसी भी विश्लेषक को आश्चर्यचकित करने के लिए पर्याप्त है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अगुवाई वाली सरकार ने हमेशा निर्णायक रूप से, अस्पष्टता की जगह काम को, बातों की जगह सुधार को और लोक-लुभावन नीतियों की जगह लोगों को प्राथमिकता दी है।

सन् 2014 में प्रति व्यक्ति की आय 86647 रुपए सालाना थी, 2023 में बढ़कर 172000 रुपए सालाना हो गई, 2026 में लगभग 2.5 लाख से 2.72 लाख रुपए सालाना के बीच तक पहुंचने का अनुमान है, इस बीच में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का भी देश ने सामना किया। कोरोना के बावजूद 2022-23 में प्रति व्यक्ति आय 172000 रुपए सालाना, मतलब लगभग 9 वर्षों में प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने में, प्रधानमंत्री जी वैश्विक अनिश्चिताओं, वैश्विक उथल-पुथल, वैश्विक महामारी के बाद भी 172000 रुपए सालाना आय के लक्ष्य प्राप्त करने में सफल रहे। यही प्रति व्यक्ति आय 2024 - 2025 में 235000 रुपए सालाना तक पहुंच गई। यही प्रधानमंत्री जी की अर्थनीति, स्पीड और स्केल है, यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है।

2014-15 में प्रति व्यक्ति जीडीपी 98405 रुपए सालाना के लगभग थी, 2024 - 2025 में प्रति व्यक्ति जीडीपी 234859 रुपए सालाना तक पहुंच गई। यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है।

भारत का कुल निर्यात 2013-14 के दौरान 465 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था जो 2024 - 2025 में भारत का कुल निर्यात 825.3 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंच गया। अर्थात् 11 वर्षों में भारत का निर्यात 177.5 त्न की दर से सकारात्मक वृद्धि दर को प्राप्त किया। यही मोदी जी का 13 वर्षों का बजट है।

मंदी के दौरान भी भारत ने पर्याप्त प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है। मोदी सरकार के लगातार सुधारों एवं प्रयासों के परिणाम स्वरूप एफडीआई 2013-14 में लगभग 36 अरब अमेरिकी डॉलर था। 2024-25 में 80 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया, 222.23 त्न की दर से सकारात्मक वृद्धि दर को प्राप्त किया। जो निवेशकों के निरंतर विश्वास और सेवा, डिजिटल, विनिर्माण एवं बुनियादी अवसंरचनात्मक क्षेत्रों में निवेश की तेज गति को दर्शाता है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति और 13 वर्षों बजट है।

2014 में हाई- स्पीड कॉरिडोर की लंबाई 550 किलोमीटर थी, वित्त वर्ष 2025- 2026 में दिसंबर तक 5,364 किलोमीटर हो गई है। लगभग दस गुना बढ़ गई है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की स्पीड और स्केल है।

हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 थी, 2025 में 164 हो गई है। भारत घरेलू विमानन के क्षेत्र में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है।

नवीकरणीय ऊर्जा तथा संस्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत मार्च 2014 में 76.38 गीगावॉट पर था, नवंबर 2025 तक 253.96 गीगावाट हो गई, वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है और स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता में चौथे स्थान पर है। कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता पिछले दशक में तीन गुना से अधिक बढ़ गई है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की अर्थनीति है।

2014 में उच्च गति क्षमता वाली पटरियों की लंबाई 31,445 किमी थी, 2025 तक लगभग दोगुनी से भी ज्यादा होकर होकर 84,244 किमी हो गई है, जिससे राष्ट्रीय रेल नेटवर्क के लगभग 80त्न हिस्से पर 110 किमी प्रति घंटे से अधिक की गति से परिचालन संभव हो पा रहा है।

उद्योग को समर्थन देना उद्योग को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होता है। इसलिए उच्च स्तरीय उच्च गति की रेल कॉरिडोर का विकास औद्योगिक क्षेत्र के लिए विशेष सहायक होगा।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने सभी महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र को हाई स्पीड रोड से जोड़ने का प्रयास किया है। यही प्रधानमंत्री मोदी जी की स्पीड और स्केल है।

रक्षा बजट 2013-14 में 2.53 लाख करोड़ रुपये था, वर्ष 2026-27 में 7.85 लाख करोड़ रुपये हो गया है, अर्थात इसमें लगभग 5.32 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोत्तरी हुई है, जो लगभग तीन गुना वृद्धि को दर्शाता है। इस बढ़े हुए प्रावधान के माध्यम से, सरकार ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में रणनीतिक बदलाव के साथ सशस्त्र बलों और उनकी क्षमताओं को दुनिया के उच्चतम मानकों में बदलने के अपने संकल्प की पुष्टि की है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में रुकावट और विदेशी विक्रेताओं की तुलना में घरेलू आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने ने आयात प्रतिस्थापन की आवश्यकता पर फिर से जोर दिया है और न केवल निर्वाह के लिए बल्कि भविष्य के आधुनिकीकरण के लिए स्वदेशीकरण की ओर बढ़ रहा है। यही मोदी जी का बजट है।

13 सालों के बजट की चर्चा इसलिए भी आवश्यक है कि आज देश जिस स्थिति में खड़ा है उस स्थिति को प्राप्त करने में कोई एक बजट महत्वपूर्ण नहीं है, आज की स्थिति जो भारत ने प्राप्त की है इस स्थिति को प्राप्त करने के लिए मोदी जी को विरासत में मिला भारत और विरासत को मोदी जी के द्वारा सजाया संवारा गया है। इन दोनों चीजों का परिणाम आज का वर्तमान भारत है और भविष्य का भारत आज के भारत से आगे के भारत के लिए की गई तैयारी का परिणाम होगा।

मोदी जी भारत को तेज गति से आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। तेज गति को प्राप्त करने के लिए आवश्यक सुधारों पर बल दिया गया है। सरकार के प्राथमिकताओं में परिवर्तन किया गया है। सरकार ने युवा शक्ति को भविष्य का भारत बनाने के लिए तैयार करने डेवलप करने और नेतृत्व करने के लिए रचनात्मक प्रयास किए हैं। राजकोषीय अनुशासन, सतत् विकास, मुद्रास्फीति की दर को कम करने का शानदार प्रयास किया है। मोदी सरकार ने आत्मनिर्भरता को लक्ष्य मान करके घरेलू उत्पादन क्षमता को बढ़ाने का प्रयास किया है। ऊर्जा सुरक्षा को सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास किया है। मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों को चला करके आयात पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया है। सरकार की पूरी अर्थनीति का अगर विश्लेषण करेंगे तो उसके केंद्र बिंदुओं में सरकार का लक्ष्य आत्मनिर्भरता, रोजगारसृजन, कृषि उत्पादन क्षमता का विकास, नागरिकों की क्रय शक्ति का बढ़ना, नागरिकों के जीवन स्थान में सुधार लाना अपनाया गया है। सरकार ने 7त्न उच्च वृद्धि दर को सुनिश्चित करके गरीबी घटाने और नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के प्रयासों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

जो देश कृषि उत्पादों को आयात करता था, अनाज की कमी से जुझता था, आज वही देश ढाई लाख करोड़ रुपए से अधिक के कृषि उत्पादों को निर्यात करता है, कितना फर्क है,

सरकार की अर्थ नीति कर्तव्य नीति ज्यादा दिखाई देती है। जिसके चलते सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकलने में सफलता प्राप्त की है।

इसलिए मोदी सरकार के बजट में, मोदी सरकार की अर्थनीति में, स्पीड और स्केल में, हर क्षेत्र की तरफ, नभ, जल और आकाश सभी तरफ नए कीर्तिमान स्थापित होते दिखते हैं। क्योंकि हमारे पूर्व की क्षमताओं से हम एक नए स्तर पर आ गए हैं। मोदी सरकार का लक्ष्य तो इससे कहीं ऊपर है। देश को वापस अपना खोया हुआ गौरव हासिल करना है। देश को विश्व की अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करना है। इसीलिए भारत विश्व का ग्लोबल ग्रोथ इंजन है। कोई भी इस विकास की दौड़ में पीछे ना छूटे, कोई भी विकास की भागीदारी में रह ना जाए, समग्र विकास के साथ-साथ समग्र दृष्टिकोण केवल भाजपा सरकार, प्रधानमंत्री मोदी जी ही कर सकते हैं।

(लेखक- अखिलेश जैन सीए व भाजपा मप्र के प्रदेश कोषाध्यक्ष हैं)

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के नीतिगत-समूहगत वैश्विक मायने

(कमलेश पांडे)

एआई इम्पैक्ट समिट को सात 'चक्रों' (फोकस एरियाज) में बांटा गया है, जो कार्यशालाओं, पैनल चर्चाओं और उच्च-स्तरीय बैठकों के रूप में आयोजित होंगे। पहला, डेमोक्रेटाइजिंग एआई रिसोर्सेज यानी सार्वजनिक एआई संसाधनों को किफायती बनाना (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष)। दूसरा, वैश्विक प्रभाव चुनौतियां यानी समावेशी ढ्ढ नवाचारों को प्रोत्साहन।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में 16-20 फरवरी 2026 को आयोजित एक प्रमुख वैश्विक आयोजन है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जिम्मेदार और समावेशी विकास पर केंद्रित है। यह समिट ग्लोबल साउथ के लिए पहला बड़ा ढ्ढ शिखर सम्मेलन है, जो 100+ देशों से 35,000+ प्रतिनिधियों को एकजुट कर रहा है। देखा जाए तो यह समिट इंडिया एआई मिशन के तहत आयोजित हो रहा है, जिसमें राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, उद्योग नेता, शोधकर्ता और सिविल सोसाइटी शामिल होंगे।

वास्तव में यह आयोजन यूके एआई सेफ्टी सिमट सियूल एआई सिमट जैसे पूर्व आयोजनों की निरंतरता में वैश्विक एआई सहयोग को मजबूत करेगा। जिसका मुख्य थीम 'पीपुल, प्लैनेट, प्रोग्रेस' है। ये नीतियों को व्यावहारिक प्रभाव में बदलने पर जोर देता है। इस समिट का वैश्विक महत्व यह है कि एआई इम्पैक्ट समिट ढ्ढ के लोकतंत्रीकरण पर फोकस करता है, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संसाधनों को सुलभ बनाने हेतु सक्रिय किया गया है।

वहीं, भारत की पूरक नवाचार क्षमता ग्लोबल एआई नेतृत्व स्थापित करने में मदद करेगी, साथ ही जिम्मेदार एआई शासन के मानकों को आकार देगी। इसमें 16 देशों के राष्ट्राध्यक्षों की भागीदारी आर्थिक कूटनीति और विकासशील राष्ट्रों की आवाज को मजबूत करेगी। इसकी प्रमुख पहलें इस प्रकार हैं जो डेमोक्रेटाइजिंग एआई रिसोर्सेज वर्किंग ग्रुप (भारत, मिस्र, केन्या सह-अध्यक्ष) सार्वजनिक एआई संसाधनों को किफायती बनाने पर काम कर रहा है।

जहां तक इसके वैश्विक प्रभाव की बात है तो इससे जुड़ीं चुनौतियां समावेशी एआई नवाचारों को प्रोत्साहित करेंगी। लिहाजा यह समिट एआई को आर्थिक-रणनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित कर वैश्विक विभाजन को पाटेगा। दरअसल, एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का मुख्य एजेंडा एआई को जिम्मेदार, समावेशी और प्रभावी बनाने पर केंद्रित है, जो तीन सूत्रों–लोग , ग्रह और प्रगति पर आधारित है। यह एजेंडा एक्शन से इंपैक्ट की ओर बढ़ने पर जोर देता है, जिसमें नीतियों को व्यावहारिक बदलावों में बदलना शामिल है।

जहां तक इसके अपेक्षित परिणाम की बात है तो ये सत्र 100+ देशों के नेताओं, वैज्ञानिकों और उद्योगपतियों को जोड़कर वैश्विक एआई शासन के मानक स्थापित करेंगे। यह समिट 16-20 फरवरी को नई दिल्ली में चल रहा है, जो ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को मजबूत करेगा।

दरअसल एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से अपेक्षित प्रमुख परिणाम जिम्मेदार एआई के वैश्विक मानकों को मजबूत करना और ग्लोबल साउथ के लिए समावेशी विकास को बढ़ावा देना हैं। यह समिट मापने योग्य प्रभावों पर केंद्रित है, जैसे एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण और नीतिगत सहमति। इस दौरान नीतिगत समझौते भी होंगे।

इस समिट से एआई शासन के लिए सात कार्य समूहों (चक्रों) के माध्यम से ठोस प्रतिबद्धताएं अपेक्षित हैं, जिनमें डेमोक्रेटाइजिंग एआई रिसोर्सेज और सुरक्षित एआई पर फोकस शामिल है। वास्तव में ये समझौते स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा जैसे क्षेत्रों में एआई अनुप्रयोगों का विस्तार सुनिश्चित करेंगे। जहां तक इसके आर्थिक-सामाजिक प्रभाव की बात है तो वैश्विक दक्षिण में कौशल विकास, सतत एआई समाधान और समावेशी नवाचारों को प्रोत्साहन मिलेगा, जो असमानताओं को कम करेगा। भारत के नेतृत्व में 100+ देशों की भागीदारी से आर्थिक कूटनीति मजबूत होगी। इसके दीर्घकालिक परिणाम भी सकारात्मक मिलेंगे। रिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक।इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मनोरंजन के नहीं मौत का कारण बनते ऑनलाइन गेम

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी देखा गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं। कोरियन लवर गेम के चलते गाजियाबाद की तीन बहनों की खुदकुशी ने आज के हालात और बच्चों की बदलती मानसिकता को लेकर झकझोर कर रख दिया है।

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

अभी तीन बहनों की चिता की आग ठंड़ी भी नहीं हुई कि ऑनलाइन गेम के चलते मेरठ का 22 वर्षीय युवक मोहम्मद कैफ हेडफोन लगाकार गेम खेलते खेलते ही बेहोश होकर गिर गया और ब्रेन हेमरेज होने से मौत के आगोश में समा गया। इसे इंटरनेट गेमिंग डिसआर्डर के रुप में देखा व समझा जा सकता है। इस तरह की घटनाएं देश दुनिया में आये दिन हो रही है और इनमें से कुछ ही घटनाएं हमारे सामने आ पाती है। ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के ही बच्चे या युवा आ रहे हो ऐसा है नहीं अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है।

हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क स संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं। पिछले दिनों ऑनलाइन गेम से ग्रसित बच्चे द्वारा नींद में फायर फायर चिल्लाने का समाचार आम होता देखा गया। दरअसल ऑनलाइन गेम खेल मनोस्थिति को इस कदर प्रीभावित कर देते हैं कि उठते बैठते टास्क ही टास्क दिमाग में घूमता रहा है। इसी कारण से दुनिया के कई देशों में बच्चों के लिए इंटरनेट के उपयोग को लेकर सख्ती या रोक जैसे कदम उठाने शुरु किये हैं। आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिट्रेन, सिंगापुर दक्षिण कोरिया आदि देश इस दिषा में सक्रिय हुए हैं। दरअसल देखा जाएं तो आनलाइन गेम की लत अन्य नशों से भी अधिक गंभीर होती जा रही है। माना जाता है कि दुनिया के देशों में 1982 में आनलाइन गेमिंग के चलते पहली मौत का मामला सामने आया था जबकि उस समय तो इंटरनेट की पहुंच एक प्रतिशत तक भी नहीं थी। 2002 के बाद ऑनलाइन गेमों की बाढ़ सी आ गई और भारत ही नहीं दुनिया के देशों में गेमिंग के चलते होने वाले दुष्प्रभावों से हिला कर रख दिया है। देखा जाए तो जहां तक बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग के चस्के का प्रमुख कारण माना जाए तो इसे कोविड के साइड इफेक्ट के रुप में देखा जा सकता है। दरअसल कोविड के चलते बच्चों की जिस तरह से ऑनलाइन कक्षाएं शुरु हुई और जिस तरह से आज भी इसे देखा जा सकता है तो बच्चों के हाथों में एंड्रायड़ फोन आने और ऑनलाइन कक्षाओं के बाद स्क्रिन की अवधि बढ़ने और आकर्षक भ्रमित करने वाले गेमों से बच्चों के जुड़ने से हालात दिन प्रतिदिन खराब ही हुए हैं। इस लत में बच्चें ही नहीं अपितु युवा भी आते जा रहे हैं। ब्लू व्हेल चैलेंज, पबजी, चोकिंग गेम, फार्टनाइट, फ्री फायर, पपी प्ले टाइम, द बेबी इन येलो, एविल नन, आइसक्रीम आदि आदि गेमों ने सर्वाधिक प्रभावित किया है।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी देखा गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं। वाइल्ड हंट, विचर 3, होरिजोन जैसे इस तरह के अनेक गेम है। यह तो केवल उदाहरण मात्र है। इसी तरह से इमर्सिंग गेमों में तकनीक और ग्राफिक्स के माध्यम से यर्थाथ दुनिया जैसे हालात दिखाते हैं। जीरो डॉन, रेड डेड, फॉलआउट और इसी तरह के अनेक गेम उपलब्ध है। मजे की बात यह है कि 10-12 से लेकर 40 वर्ष तक के लोग इन गेमों के चक्कर में अधिक आ रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया की बात करें तो यह अपने आप में बड़ा व्यापार है। 2024 में 3.7 बिलियन के कारोबार को माना जा रहा है कि इसी तरह से यह चलता रहा तो 2029 तक 9.1 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। यानी की 2029 तक लगभग तीन गुणा बढ़ जाएगा। सबसे बड़ी चिंतनीय बात यह है कि ऑनलाइन गेम के कारण भले ही मौत के समाचार कभी कभार ही सामने आते हो पर इससे ज्यादा गंभीरता यह है कि मनोवैज्ञानिक असर अधिक दिखाई देने लगा है। ऑनलाइन गेम के लत वालों में डर, अकेलापन, अनिंद्रा, खुद को नुकसान पहुंचाने के साथ ही शारीरिक और मानसिक विकार आम होते जा रहे हैं। कुंठा, आक्रोश, संवेदनहीनता, तनाव आम होते जा रहे हैं। दरअसल समय आ गया है जब ऑनलाइन गेमिंग की समस्या का हल खोजा ही जाना चाहिए। अन्यथा हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर ही होंगे। ऑनलाइन गेमिंग बनाने वालों को तो एक मात्र उद्देश्य अधिक से अधिक पैसा कमाना है उन्हें इसके दुष्प्रभावों से कोई लेना-देना नहीं होता। हांलांकि भारत सहित कुछ देशों की सरकारें सक्रिय हुई है। पर मनोवैज्ञानिकों को भी आगे आकर कोई समाधान खोजना होगा वहीं अभिभावकों, परिजनों व समाज का भी दायित्व हो जाता है। परिजनों को निरंतर निगरानी रखने, मोबाइल देखने की समय सीमा तय करने, किसी और रचनात्मक कार्य में लगाने, सामाजिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय करने और परंपरागत आउट डोर गेम्स के प्रति रुचि पैदा करने के ठोस प्रयास करने ही होंगे। सरकार को भी मौत की राह में ले जाने वाले गेम फोरमेट पर रोक लगाने के सख्त कदम उठाने ही होंगे।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कटनी वन मंडल में 20 फरवरी से शुरू होगी गिद्धों की गणना : प्रदेशव्यापी अभियान का हिस्सा

कटनी/मूक पत्रिका

मध्य प्रदेश में गिद्ध संरक्षण के प्रयासों को मजबूती देने के लिए शुक्रवार (20 फरवरी) से तीन दिवसीय शीतकालीन गिद्ध गणना शुरू हो रही है। कटनी वन मंडल में यह अभियान वनमंडलाधिकारी श्री गर्वित गंगवार के निर्देशन में चलेगा। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कटनी सहित पूरे प्रदेश में 20 से 22 फरवरी तक गिद्धों की गिनती की जाएगी। वनमंडलाधिकारी ने बताया कि गणना वन परिक्षेत्र कटनी, रीठी एवं विजयराघवगढ़ के अंतर्गत वन विभाग की टीमों द्वारा की जाएगी। तीनों दिन सुबह 6:30 बजे से गिद्धों की निगरानी और गणना शुरू होगी। इच्छुक स्वयंसेवक उपवनमंडलाधिकारी (पूर्व कटनी) के मोबाइल नंबर 9424792726 पर संपर्क कर अभियान में भाग ले सकते हैं। यह गणना प्रदेशव्यापी शीतकालीन अभियान का हिस्सा है, जो वर्ष 2025-26 के लिए आयोजित की जा रही है। मध्य प्रदेश में पहली बार *श्वश्वद्वष्श्यद्यद्यद्ष्ह्ल5* जैसे मोबाइल ऐप का उपयोग कर हाईटेक तरीके से डेटा संग्रह किया जा रहा है, जिससे गणना अधिक पारदर्शी, सटीक और समयबद्ध होगी। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों जैसे बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया आदि में सैकड़ों कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। सात प्रमुख गिद्ध प्रजातियों पर विशेष नजर रखी जाएगी।

मध्य प्रदेश: गिद्धों का मजबूत गढ़ –मध्य प्रदेश को ÷गिद्ध राजधानी÷ कहा जाता है, जहां पिछले एक दशक में गिद्धों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2016 में राज्य में मात्र 6,999-7,000 गिद्ध दर्ज हुए थे, जो 2025 की गणना में बढ़कर 12,981 हो गए। कुछ रिपोर्टों के अनुसार अब यह संख्या 14,000 के आसपास पहुंच चुकी है। देश में सबसे अधिक गिद्ध आबादी यहीं है, और संरक्षण प्रयासों से संख्या दोगुनी हुई है। कटनी जिले में भी सुधार दिख रहा है–2025 की ग्रीष्मकालीन गणना में 401 गिद्ध दर्ज हुए, जबकि फरवरी 2025 में 382 थे।

राष्ट्रीय संदर्भ में महत्व –भारत में गिद्धों की संख्या 1990 के दशक में डिक्लोफेनाक जैसी दवाओं से 95-99त्न घटी थी। 2006 में प्रतिबंध और Vulture Action Plan से रिकवरी शुरू हुई। मध्य प्रदेश के प्रयास राष्ट्रीय स्तर पर मिसाल हैं। यह गणना न केवल स्थानीय जैव-विविधता की निगरानी करेगी, बल्कि राष्ट्रीय डेटा में योगदान देगी। गिद्ध ÷प्राकृतिक सफाईकर्मी÷ हैं, जो बीमारियों के प्रसार को रोकते हैं।

वन विभाग ने सभी से अपील की है कि वे गिद्धों के संरक्षण में सहयोग करें और जहरीली दवाओं के इस्तेमाल से बचें। यह अभियान गिद्धों की रक्षा और पारिस्थितिकी संतुलन के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

मंगलनार में घर-घर पहुंची स्वास्थ्य टीम, मलेरिया मुक्त बीजापुर की ओर पहल तेज

बीजापुर/मूक पत्रिका

मंगलनार गांव में इन दिनों ÷मलेरिया मुक्त बीजापुर÷ अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय है। भैरमगढ़ विकासखंड के इस क्षेत्र में स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर लोगों की मलेरिया जांच कर रहे हैं। जिनमें लक्षण नजर आ रहे हैं, उनका तुरंत सैंपल लेकर आगे की प्रक्रिया की जा रही है। अभियान में बीजादूतीर स्वयंसेवक भी बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। वे ग्रामीणों को जांच के लिए प्रेरित कर रहे हैं और स्वास्थ्य टीम के साथ मिलकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। गांव में छोटी बैठकों के माध्यम से साफ-सफाई, घर के आसपास पानी जमा न होने देने और नियमित मच्छरदानी उपयोग के महत्व को समझाया जा रहा है।बच्चों को सरल भाषा में बताया जा रहा है कि मच्छरों से बचाव ही मलेरिया से सुरक्षा का सबसे आसान तरीका है। ग्रामीणों ने भी इस पहल का स्वागत किया है और जांच में सहयोग दिया है।बीजापुर जिले को मलेरिया मुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ यह अभियान लगातार जारी है। स्वास्थ्य विभाग और स्वयंसेवकों की संयुक्त पहल को गांव में सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

एक दिवसीय शाखकर्तन संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

कवर्धा/मूक पत्रिका

जिला यूनियन कवर्धा अंतर्गत आने वाले समस्त फड़ प्रभारी, फड़मुंशी, प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति के अध्यक्ष, वन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष को 19 फरवरी को एक दिवसीय शाखकर्तन संबंधी प्रशिक्षण काष्ठागार डिपो कवर्धा में प्रदाय किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीमती एम. मर्सीबेला, मुख्य वन संरक्षक, दुर्ग वृत्त दुर्ग, दुखीराम धुर्वे, अध्यक्ष, जिला यूनियन कवर्धा, भागवत साहू, उपाध्यक्ष, जिला यूनियन कवर्धा, निखिल अग्रवाल, प्रबंध संचालक, जिला लघु वनोपज सहकारी संघ कवर्धा, श्रीमती अनिता साहू, उप प्रबंध संचालक, जिला लघु वनोपज सहकारी संघ कवर्धा एवं डॉ. सीपी रहांगडाले, वैज्ञानिक फारेस्ट्री, कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धाकी उपस्थिति में संपन्न हुआ। तेंदूपत्ता सीजन वर्ष 2026 में तेंदूपत्ता संग्रहण दर 5500 रूपए प्रति मानक बोरा तथा शाखकर्तन कार्य दर 70 रूपए प्रति मानक बोरा निर्धारित है। जिला यूनियन कवर्धा अंतर्गत कुल 19 समितियां, 24 लॉट एवं 269 फड़ संचालित है। प्रशिक्षण में शाख कर्तन (बूटा कटाई) के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें शाख कर्तन (बूटा कटाई) क्यों करे, कब करें, कहां करें, कैसे करें, निरीक्षण, भुगतान एवं महत्वपूर्ण सावधानियां के बारे में पावरप्वाईट प्रजेंटेश के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में समस्त संचालक मंडल सदस्यगण, जिला यूनियन कवर्धा, कवर्धा वनमंडल के समस्त उप वनमंडलाधिकारी, समस्त परिक्षेत्र अधिकारी, समस्त पोषक अधिकारी, समस्त प्रबंधक, प्राईवेट लिमिटेड वनोपज सहकारी समिति के समस्त फड़मुंशी, समस्त फड़ अभिरक्षक, समस्त समिति अध्यक्ष, वन प्रबंधन समति के समस्त अध्यक्ष एवं सम्मानीय पत्रकारगण उपस्थित थे।

जांजगीर में हुनर का महाकुंभ; ईशिका लाइव फाउंडेशन और DSR ने रचा इतिहास

जांजगीर/मूक पत्रिका

'हौसलों के आगे कोई दीवार नहीं होती'–इस कहावत को चरितार्थ करते हुए जांजगीर के होटल ड्रीम प्वाइंट में 17 फरवरी को ईशिका लाइव फाउंडेशन और ष्ठस्क्र के तत्वाधान में एक ऐतिहासिक मेगा सेमिनार संपन्न हुआ।

फाउंडेशन की डायरेक्टर पूजा शर्मा एवं गोपाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम ने जांजगीर को अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य मानचित्र पर स्थापित कर दिया है।

समारोह में मिस यूनिवर्स 2025 यशु सोनी ने सेलिब्रिटी फिल्म मेकर अंशु सिंह का भावुक स्वागत किया। अंशु सिंह के गीत 'नारी आज के युग की' ने उपस्थित सैकड़ों ब्यूटीशियन्स में नया जोश भर दिया। पूजा शर्मा ने बताया कि उनका लक्ष्य मेट्रो सिटी जैसी महंगी ट्रेनिंग को छोटे शहरों की महिलाओं तक नाममात्र शुल्क में पहुँचाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

5 घंटे चले इस विशेष सत्र में हेयर गुरु लालकृष्ण श्रीवास, इंटरनेशनल आर्टिस्ट पूनम सोनी और मधु मैम ने कोरियन फेशियल, पोटली फेशियल और एडवांस हेयर कट्स के गुर सिखाए। मात्र 399 रुपये के शुल्क में मिली इस वर्ल्ड क्लास ट्रेनिंग ने महिलाओं के आत्मविश्वास को दोगुना कर दिया। यह आयोजन न केवल शिक्षा का केंद्र बना, बल्कि नारी शक्ति के सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश की।

शासकीय प्रमुख प्राथमिक शाला में नेवता भोज का आयोजन

कवर्धा/मूक पत्रिका

शासकीय प्रमुख प्राथमिक शाला में व्याख्याता संजय श्रीवास्तव द्वारा नेवता भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। नेवता भोज में खीर, पूड़ी, दाल, चावल, छोले एवं सब्जी जैसे स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था की गई। सभी ने मिलकर आत्मीय वातावरण में भोजन ग्रहण किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं पारिवारिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस आयोजन में विद्यालय के समस्त शिक्षकों का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ। विद्यालय के प्रधान पाठक ने इस अवसर पर सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आपसी सद्भाव, सहयोग एवं टीम भावना को सुदृढ़ करते हैं।

जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग किया गया प्रतिबंधित

कलेक्टर ने तत्काल प्रभाव से जारी किया आदेश

जांजगीर/मूक पत्रिका

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जन्मेजय महोबे द्वारा जिला जांजगीर-चांपा अंतर्गत विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित परीक्षाओं के सुचारू रूप से संचालन एवं छात्र-छात्राओं की परीक्षाओं की तैयारी में व्यवधान ना हो इसे दृष्टिगत रखते हुए छत्तीसगढ़ कोलाहल नियंत्रण अधिनियम, 1985 की धारा 04 के तहत जिले की सीमाओं के अंतर्गत बिना लिखित पूर्वानुमति के ध्वनि विस्तार यंत्रों के प्रयोग को प्रतिबंधित किया है। विशिष्ट परिस्थितियों एवं शासकीय कार्यों के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग की अनुमति माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों तथा ध्वनि प्रदूषण (विनियमन तथा नियंत्रण) नियम, 200 एवं उपरोक्त अधिनियम में उल्लेखित शर्तों के अंतर्गत जिला मुख्यालय में अनुविभागीय दण्डाधिकारी एवं जिले अन्य अनुविभाग मुख्यालय की तहसील में अनुविभागीय दण्डाधिकारी तथा अनुविभाग मुख्यालय से भिन्न तहसील में तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट द्वारा दी जाएगी, लेकिन यह अनुमति किसी भी परिस्थितियों में रात्रि 10.00 बजे से प्रातः 6.00 बजे के बीच की अवधि के लिए नही दी जा सकेगी। बिना लिखित पूर्वानुमति के ध्वनि विस्तार यंत्रों का प्रयोग करने वालों के विरूद्ध नियमानुसार कड़ी (जप्ती आदि) कार्यवाही किया जावें। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

एसपी के निर्देशन में धमतरी पुलिस द्वारा जिलेभर में होटल,ढाबा एवं लॉजों की सघन जांच

धमतरी जिले के सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ चलाया गया व्यापक चेकिंग अभियान

शराब परोसने, संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों एवं अवैध कृत्यों पर विशेष निगरानी, उल्लंघन पर कड़ी कार्यवाही

धमतरी/मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक धमतरी के निर्देशानुसार जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में होटल, ढाबा एवं लॉजों की सघन चेकिंग की गई। यह अभियान जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण स्थापित करने, हाल के दिनों में प्राप्त संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना एवं चोरी की घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया गया।चेकिंग के दौरान पुलिस टीमों द्वारा होटल एवं लॉज संचालकों के आगंतुक पंजी (रजिस्टर) का गहन निरीक्षण किया गया तथा ठहरे हुए व्यक्तियों के पहचान पत्रों का सत्यापन किया गया। संदिग्ध प्रतीत होने वाले व्यक्तियों से पूछताछ कर आवश्यक जानकारी एकत्रित की गई तथा उनकी गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी गई।

इसके अतिरिक्त होटल एवं ढाबों में विशेष रूप से यह भी जांच की गई कि कहीं अवैध रूप से शराब का परोसना अथवा सेवन तो नहीं कराया जा रहा है। धमतरी पुलिस द्वारा चेतावनी भी दी जाती है कि बिना वैधानिक अनुमति के शराब परोसना दण्डनीय अपराध है तथा ऐसे मामलों में संबंधित के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे सभी नियमों का कड़ाई से पालन करें, प्रत्येक आगंतुक का वैध पहचान पत्र दर्ज करें, सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रखें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा चोरी की आशंका की सूचना तत्काल संबंधित थाना को दें। धमतरी पुलिस द्वारा इस प्रकार के सघन जांच एवं निगरानी अभियान निरंतर जारी रहेंगे, जिससे जिले में शांति, सुरक्षा एवं अनुशासन कायम रखा जा सके तथा असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

अरुण सार्वा की अध्यक्षता में नगर पंचायत आमदी में स्वस्थ पंचायत सम्मेलन आयोजित

आमदी/मूक पत्रिका

नगर पंचायत आमदी में मितानिन बहनों द्वारा स्वस्थ पंचायत सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा ने की। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आमंत्रित कर क्षेत्र में स्वास्थ्य संबंधी कमियों पर चर्चा की गई तथा आवश्यक जानकारी साझा की गई। सम्मेलन में मितानिन बहनों ने स्वास्थ्य सेवाओं में आ रही समस्याओं और कमियों को विस्तार से रखा। जिला पंचायत अध्यक्ष ने उनकी मांगों को गंभीरता से सुना और उपस्थित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जहां-जहां कमियां हैं, उन्हें शीघ्र पूर्ण किया जाए।अपने संबोधन में श्री सार्वा ने कहा कि हमारे देश में मितानिन बहनें स्वास्थ्य सेवा की मजबूत कड़ी हैं। गर्भवती महिलाओं को उचित पोषण की जानकारी देने से लेकर प्रसव के दौरान सहयोग और प्रसव के बाद नवजात शिशु की देखभाल तक, वे एक मां की तरह जिम्मेदारी निभाती हैं। उन्होंने मितानिन बहनों के समर्पण और सेवा भावना को नमन करते हुए कहा कि वे दिन-रात समाज की सेवा में लगी रहती हैं। इस अवसर पर सभापति महिला एवं बाल विकास तथा स्वच्छता विभाग एवं जिला पंचायत सदस्य मोनिका ऋषभ देवांगन, जिला पंचायत सदस्य धनेश्वरी भूमेश साहू, आमदी नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति साहू, स्वास्थ्य विभाग की टीम तथा समस्त मितानिन बहनें उपस्थित थीं।

हमर लक्ष्य' ने जेईई में रचा स्वर्णिम इतिहास, 28 विद्यार्थियों का चयन

कांकेर/मूक पत्रिका

जिले की महत्वाकांक्षी शैक्षणिक पहल 'हमर लक्ष्य' ने इस वर्ष जेईई परीक्षा में ऐतिहासिक सफलता अर्जित करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कुल 28 विद्यार्थियों ने परीक्षा क्वालिफाई कर जिले एवं शिक्षा विभाग का नाम गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि विभाग की सुनियोजित रणनीति, नियमित मॉनिटरिंग एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक मार्गदर्शन का प्रतिफल है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी प्रयास आवासीय विद्यालय के छात्र सौरभ कुमार मंडावी ने 82.34 अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया। शासकीय मिडिल स्कूल भोरगांव के छात्र पवन कुमार (पिता-चुनमोन) ने 75.98 अंक तथा भूपेंद्र कुमार (पिता-देवराज) ने 73.03 अंक अर्जित किए। इसी क्रम में पीएमश्री दुर्गकोंदल की छात्रा मेघा नायक ने 71.99 अंक, शासकीय मिडिल स्कूल कोदो की छात्रा पायल (पिता-ललन कुमार) ने 69.71 अंक, हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र भवेश कुमार ने 67.45 अंक तथा यश कोश्य (पिता-प्रेम सिंह कोश्य) ने 56.75 अंक प्राप्त किए। विशेषज्ञों के अनुसार, कम से कम 10 विद्यार्थियों के प्रतिष्ठित एनआईटी में चयन की प्रबल संभावना है, जबकि अन्य विद्यार्थियों को भी उत्कृष्ट तकनीकी संस्थानों में प्रवेश मिलने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि अनेक सफल विद्यार्थियों के अभिभावक आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से हैं और कृषि व मजदूरी से जुड़े हैं, जिससे यह उपलब्धि और अधिक प्रेरणादायी बन जाती है। जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ÷हमर लक्ष्य योजना का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ अंचलों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सही दिशा प्रदान करना है। विद्यार्थियों की सफलता टीमवर्क, शिक्षकों की प्रतिबद्धता और विभागीय समर्पण का परिणाम है। भविष्य में योजना को और अधिक विस्तार एवं सुदृढ़ किया जाएगा।÷इस ऐतिहासिक उपलब्धि से शिक्षा विभाग में उत्साह का माहौल है तथा आने वाले समय में और बेहतर परिणाम के लिए रणनीतिक रूप से कार्य किया जा रहा है।

सांसद की घोषणा के महीनों बाद भी कोतमा को नहीं मिला ट्रेन स्टॉपेज, जनता में निराशा

कोतमा/भालूमाड़ा/मूक पत्रिका

अंबिकापुर-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस के कोतमा में स्टॉपेज को लेकर लंबे समय से चल रही मांग अब भी अधूरी है। शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह द्वारा महीनों पहले इस संबंध में पहल और घोषणा किए जाने के बाद भी अब तक कोतमा रेलवे स्टेशन पर इस ट्रेन का ठहराव शुरू नहीं हो सका है, जिससे क्षेत्र की जनता में निराशा व्याप्त है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वे लगातार सांसद को ज्ञापन सौंपकर कोतमा में इस महत्वपूर्ण ट्रेन के स्टॉपेज की मांग करते रहे हैं। कोतमा एवं जमुना क्षेत्र, जिसे अनूपपुर जिले का ऊर्जा केंद्र माना जाता है, में विभिन्न राज्यों के कर्मचारी, अधिकारी एवं उनके परिवार निवास करते हैं।क्षेत्र में बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों, विशेष रूप से अडानी पावर के पावर प्रोजेक्ट ,जे एम एस तथा नई कोल माइंस परियोजनाओं के शुरू होने से आवागमन की आवश्यकता और अधिक बढ़ गई है। इसके बावजूद इस प्रमुख ट्रेन का स्टॉपेज नहीं मिलना स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

घोषणा के बाद भी अमल नहीं–स्थानीय लोगों का आरोप है कि सांसद द्वारा इस ट्रेन के स्टॉपेज को लेकर पूर्व में सार्वजनिक रूप से पहल की जानकारी दी गई थी और इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया था। साथ ही सत्तारूढ़ दल के कुछ नेताओं ने भी इसे लेकर अपनी सक्रियता दिखाई थी, लेकिन जमीनी स्तर पर अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है।

यात्रियों को हो रही परेशानी–कोतमा क्षेत्र के यात्रियों को इस ट्रेन का लाभ लेने के लिए शहडोल, अनूपपुर या अन्य बड़े स्टेशनों तक जाना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त हानि होती है। विशेष रूप से नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और मरीजों को लंबी दूरी तय कर ट्रेन पकड़ने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

जनता ने शीघ्र कार्रवाई की उठाई मांग–स्थानीय नागरिकों ने सांसद एवं रेलवे प्रशासन से मांग की है कि कोतमा जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक और आवासीय क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए अंबिकापुरङ्कहजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस का स्टॉपेज शीघ्र शुरू कराया जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को राहत मिल सके। जनता का कहना है कि घोषणाओं से आगे बढ़कर अब वास्तविक कार्रवाई की आवश्यकता है, जिससे क्षेत्रवासियों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल्स, रायपुर मध्य भारत में 500 रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी करने वाला पहला हॉस्पिटल बना

रायपुर: रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल्स, रायपुर ने 39 महीनों में आधुनिक दा विंची टेक्नोलॉजी की मदद से 500 से अधिक रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी पूरी कर ली हैं। रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल्स यह उपलब्धि हासिल करने वाला मध्य भारत का पहला हॉस्पिटल है। हॉस्पिटल में जनरल सर्जरी, गायनेकोलॉजी एवं यूरोलॉजी, जटिल एब्डॉमिनल वॉल हर्निया, गंभीर एंडोमेट्रियोसिस, चुनौतीपूर्ण कोलोरेक्टल सर्जरी, मायोमेक्टोमी, हिस्टेरेक्टोमी और एडवांस्ड रिकंस्ट्रक्शन के लिए इस टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाता है। डॉ. संदीप दवे, मेडिकल एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, रामकृष्णा केयर हॉस्पिटल्स, रायपुर ने कहा, ''500 रोबोटिक सर्जरी पूरी करना हमारे संस्थान की एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इससे हमारा सालों का अनुशासन, निरंतर लर्निंग और छत्तीसगढ़ में विश्वस्तर की सर्जिकल केयर उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी में मरीज को छोटे चीरे लगते हैं, जिससे उन्हें दर्द कम होता है और खून भी कम निकलता है। इसलिए वो तेजी से स्वस्थ होते हैं और हॉस्पिटल में भी कम समय रुकना पड़ता है।''

उन्होंने बताया, ''दा विंची प्लेटफॉर्म के सबसे बड़े फायदों में से एक है कि इसने हर उम्र के मरीज की सर्जरी करना आसान बना दिया है, जिससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है। हमने एक 5 साल के बच्चे की एड्रेनैलेक्टोमी (दोनों एड्रिनल ग्लांड्स को सर्जरी द्वारा निकालना) से लेकर एक 84 साल के मरीज की मेशप्लास्टी (हर्निया रिपेयर की सर्जिकल प्रक्रिया) जैसी सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की हैं। इतने विस्तृत आयु समूह में लगातार शानदार परिणाम हमारे प्रोग्राम की क्षमता और हमारे गहरे अनुभव को प्रमाणित करते हैं।'' डॉ. दवे ने बताया कि हॉस्पिटल की सर्जिकल टीमें अब एक दिन में छः रोबोटिक सर्जरी कर सकती हैं। हॉस्पिटल को यह क्षमता अपनी स्पष्ट दूरदर्शिता और सुगम तालमेल से मिली है। काउंसलर, को-ऑर्डिनेटर, ऑपरेटिंग थिएटर स्टाफ, एनेस्थेसियोलॉजिस्ट और नर्सिंग टीम एक यूनिट की तरह पूरे समन्वय में काम करते हैं। ''इस तालमेल से हमारी टीम मरीज की पूरी सुरक्षा के साथ लगातार बेहतरीन नतीजे देती है। हर मरीज का हॉस्पिटल में रुकने का समय एक दिन कम हो गया है, 9 महीनों में बेड ऑक्युपेंसी में 62 प्रतिशत की कमी आई है और हम बेड भरे रहने के 82 दिन बचाने में समर्थ बने हैं। इससे हम मरीजों की सुरक्षा और शानदार नतीजों से कोई भी समझौता किए बगैर और अधिक मरीजों का इलाज करने में समर्थ बने हैं।''

''एआई मोमेंटम को सेमीकंडक्टर मोमेंटम से अलग नहीं किया जा सकता, भारत फुल इनोवेशन स्टैक निर्मित कर रहा है : अशोक चांडक

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026, एआई, सेमीकंडक्टर रणनीति और विश्वसनीय वैश्विक टेक्नोलॉजी साझेदारियों के मेल में एक महत्वपूर्ण पल है। 20 से ज्यादा राज्य प्रमुखों, 60 मंत्रियों, 500 ग्लोबल एआई लीडरों और 3,00,000 से ज्यादा आगंतुकों के साथ, यह समिट भारत को वैश्विक एआई रूपांतर के केन्द्र में मज़बूती से रखता है - खासकर ग्लोबल साउथ में। भारत की एआई गवर्नेंस गाइडलाइंस जारी करना, इंडिया एआई फैलोशिप को 13,500 स्कॉलर्स तक बढ़ाना, और इंडिया एआई सेफ्टी इंस्टीट्यूट को मज़बूत करना एक व्यापक दृष्टिकोण दर्शाता है - नीति, प्रतिभा और मानक एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में, 38,000 जीपीयू पहले से ही कार्यरत हैं और आगामी महीनों में 50,000 से ज्यादा जीपीयू स्थापित किए जाएंगे, भारत तेज़ी से सार्वभौम कम्प्यूट क्षमता बढ़ा रहा है। एआई निवेश में 200 अरब डॉलर से ज्यादा के सर्पोटेड फंड और अनुमान के साथ- मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे और आरडीआई स्कीम, आईएसएम 2.0 और इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर नीतियों में - भारत दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते एआई ईकोसिस्टम में से एक का निर्माण कर रहा है। लेकिन इतिहास ने बार-बार यह दिखाया है कि जो देश परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों को आकार देते हैं, वे शायद ही कभी उन जैसे होते हैं जो उनके आस-पास के नैतिक और गवर्नेंस के नियमों को परिभाषित करते हैं। आज समिट में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का भाषण भारत द्वारा दोनों भूमिकाओं को एक साथ निभाने के स्पष्ट इरादे की ओर इशारा करता है - बड़े पैमाने पर एआई निर्माता और अडॉप्टर के तौर पर, तथा एक ऐसे गवर्नेंस आर्किटेक्चर के लिए एक सैद्धांतिक आवाज़ के तौर पर जो मानवता की बड़े पैमाने पर सेवा करे, न कि चुनिंदा तौर पर। आज हम एआई अपनाने के मामले में जहां खड़े हैं, उसे देखते हुए यह बिल्कुल सही तर्क है, जो बिल्कुल सही समय पर दिया गया है। माननीय प्रधानमंत्री ने मानव को व्यक्त किया - एआई गवर्नेंस में नैतिक ईमानदारी, जवाबदेह संस्थान, राष्ट्रीय डाटा संप्रभुता, समावेशी पहुंच और वैधता पर आधारित - ग्लोबल साउथ को एआई डैवलपमेंट को अभी आकार दे रहे एकाधिकारवादी आर्किटेक्चर के खिलाफअपना पहला सुसंगत काउंटर-नैरेटिव देता है। साथ ही, भाषण में कही गई उनकी न्यूक्लियर मिसाल, हर बोर्डरूम व पॉलिसी चैम्बर में हमेशा के लिए जगह पाने की हकदार है।

संरक्षा के सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने किया सम्मानित

बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है । इसी कड़ी में आज दिनांक 18 फरवरी, 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 07 कर्मचारियो को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा संबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया । बिलासपुर रेल मण्डल के ट्रैक मैंटेनर-IV/ बाराद्वार श्री हिमांशु ने दिनांक 11 जनवरी, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान सक्ती - बाराद्वार सेक्शन के बीच रात्रि में ट्रैक पैट्रोलिंग के दौरान अप लाइन में किलो मीटर नं.- 645/17 पर रेल प्रेक्कर देखा और तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर ट्रैक को ठीक किया गया । इस प्रकार श्री हिमांशु की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । बिलासपुर रेल मण्डल के ट्रैक मैंटेनर-IV/नैला श्री चन्दन कुमार ने दिनांक 29 जनवरी, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान माल गाड़ी के इंजन से तीसरा वैगन में हॉट एक्सल देखा, तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया, जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी को सुरक्षित रवाना किया गया । इस प्रकार श्री चन्दन कुमार की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । रायपुर रेल मण्डल के लोको चालक (गुड्स)/भाटापारा श्री खिलेश्वर कुमार ने दिनांक 28 जनवरी, 2026 को अपने ड्यूटी के दौरान निरीक्षण करते समय लोको इंजिन के इंटरमीडियट कैब बफ़र हाउसिंग मे दरारें एवं टूटे हुए हिस्से को देख कर तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया । जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर गाड़ी का सुरक्षित संचालन किया गया । इस प्रकार श्री खिलेश्वर कुमार की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । नागपुर रेल मण्डल के की-मैन / चांदाफोर्ट, श्री अश्विन भास्कर गोवर्धन ने दिनांक 20 दिसम्बर, 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान रजोली-मूलमरोड़ा सेक्शन में ड्यूटी के दौरान किलो मीटर नं.- 1185/20-21 में वेल्ड प्रेक्कर देखा और तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर ट्रैक को ठीक किया गया । इस प्रकार श्री अश्विन भास्कर गोवर्धन की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । नागपुर रेल मण्डल के की-मैन/चंदाफोर्ट श्री विश्राम साहु ने दिनांक 21 दिसम्बर,2025 को अपने ड्यूटी के आलेवाही-सिंदेवाही सेक्शन में ड्यूटी के दौरान किलो मीटर नंबर 1163/2-3 में वेल्ड प्रेक्कर देखा और तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर ट्रैक को ठीक किया गया । इस प्रकार श्री विश्राम साहु की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई ।नागपुर रेल मण्डल के ट्रैक मैंटेनर-III/ ग्वारिघाट श्री मनोज कुमार यादव ने दिनांक 23/24 नवम्बर , 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान घंसौरङ्कबिनेकी सेक्शन में ड्यूटी के दौरान किलो मीटर 1155/11J-12J में रेल प्रेक्कर देखा और तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर ट्रैक को ठीक किया गया । इस प्रकार श्री मनोज कुमार यादव की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । नागपुर रेल मण्डल के ट्रैक मैंटेनर-III/आमगांव श्री उत्तम कुमार ने दिनांक 28/29 नवम्बर, 2025 को अपने ड्यूटी के दौरान सालेकसा धानौली सेक्शन में ड्यूटी के दौरान कि. मी. 969/15-17 में वेल्ड प्रेक्कर देखा और तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया जिसके उपरांत आवश्यक कार्यवाही कर ट्रैक को ठीक किया गया । इस प्रकार श्री उत्तम कुमार की सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । इन संरक्षा कोटि के कर्मचारियों को सम्मानित किए जाने के अवसर पर प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी, प्रधान मुख्य इंजीनियर अन्य विभागाध्यक्ष सहित अधिकारीगण उपस्थित थे ।

सीएसआर के तहत स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का सराहनीय योगदान रहा..

■ दिव्यांग महिलाओं को मिली स्वच्छता सुविधा

बिलासपुर। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रीजनल शाखा बिलासपुर द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत महिला दिव्यांगजनों के स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। बैंक ने समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित शासकीय आश्रयदत्त कर्मशाला, तिफरा, बिलासपुर में 100 सेनेटरी पैड एवं 01 डिस्पेंसिंग मशीन उपलब्ध कराई। इसी क्रम में मानसिक रूप से पुनर्वासित महिलाओं के लिए संचालित हाफ वे होम, कोनी में 200 सेनेटरी पैड एवं 02 डिस्पेंसिंग मशीनें प्रदान की गईं। इन संसाधनों से संस्थाओं में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहीं दिव्यांग महिलाओं को स्वच्छता संबंधी सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर एसबीआई के एचआर मैनेजर श्री हर्ष तिवारी ने उपस्थित महिलाओं एवं संस्था प्रभारियों को मशीन के उपयोग और सेनेटरी पैड के सुरक्षित व स्वच्छ इस्तेमाल की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया समाज के वंचित वर्गों, विशेषकर दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। यह पहल महिला स्वच्छता, गरिमा और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।कार्यक्रम में संयुक्त संचालक श्री टी.पी. भावे, उपनियंत्रक श्रीमती वीना कमलेश, सहायक सांख्यिकी अधिकारी श्री प्रशांत मोकासे, आश्रयदत्त कर्मशाला की प्रभारी अधीक्षक सुश्री वीना दीक्षित एवं हाफ वे होम कोनी के व्यवस्थापक श्री प्रमोद शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ई-ऑफिस के संबंध में अधिकारी कर्मचारियों को मिला प्रशिक्षण...

बिलासपुर। शासकीय कार्यों में पारदर्शिता, त्वरित निस्तारण एवं कार्यालयीन प्रक्रियाओं को डिजिटल माध्यम से सुगम बनाने के उद्देश्य से आज प्रार्थना भवन सभाकक्ष में ई-ऑफिस संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण में ई-ऑफिस प्रणाली के संचालन, ऑनलाइन फाइल मूवमेंट, ई-नोटशीट तैयार करने, पत्राचार अपलोड करने तथा डिजिटल हस्ताक्षर के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अचल संपत्ति विवरण ऑनलाइन दर्ज करने तथा अवकाश आवेदन की ऑनलाइन प्रक्रिया के संबंध में भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षकों ने बताया कि इन व्यवस्थाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, समय की बचत होगी तथा लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी आएगी। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया, जिससे वे अपने कार्यालयों में इन प्रणालियों का सुचारू उपयोग कर सकें।

सरकंड़ा मुक्तिधाम उपकेन्द्र में अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित,6 हजार उपभोक्ता होंगे लाभान्वित:कार्यपालक निदेशक एके अम्बस्थ

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधाओं में उत्तरोत्तर वृद्धि तथा आगामी ग्रीष्मऋतु को दृष्टिगत रखते हुये जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विद्यमान उपकेन्द्रों में स्थापित पॉवर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। इसी क्रम में सरकंडा मुक्तिधाम उपकेन्द्र में विद्यमान 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र में लगभग राशि 69 लाख रूपये की लागत से 3.15 एम.व्ही.ए. क्षमता का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। अब नगर संभाग-दो, (नेहरू नगर) के अंतर्गत सरकंडा मुक्तिधाम उपकेन्द्र की क्षमता 5 एम.व्ही.ए. से बढ़कर 8.15 एम.व्ही.ए. हो गयी है। विद्युत कंपनी के विशेष प्रयासों से विद्युत विकास के लिए स्वीकृत इस कार्य से उपकेन्द्र के परिधि में आने वाले उपभोक्ताओं को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। नगर संभाग-दो (नेहरू नगर) के कार्यपालन अभियंता श्री बी.बी. नेताम ने बताया कि उपकेन्द्र में 3.15 एम.व्ही.ए. के अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के उर्जीकरण से सीपत चौक, वीआईपी कालोनी, बुधिया काम्पलेक्स, चटर्जी गली, बंगाली पारा, जबड़ापारा, शिव हनुमान मंदिर, जैन मंदिर एवं महामाया चौक के लगभग 6 हजार उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्तापूर्ण तथा निर्बाध विद्युत की आपूर्ति होगी। बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक ए.के. अम्बस्थ ने स्वीच दबाकर नये ट्रांसफार्मर के माध्यम से शहर में विद्युत सप्लाई प्रारंभ की तथा अपने उद्बोधन में कहा कि विद्युत विभाग उपभोक्ताओं की सुविधाओं में निरंतर वृद्धि करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कडी में आज इस उपकेन्द्र में नवीन ट्रांसफार्मर को उर्जीकृत किया गया है, जिसका लाभ इस क्षेत्र के उपभोक्ताओं को मिलेगा। उन्होने इस कार्य को सफलतापूर्वक किये जाने पर नगर वृत्त बिलासपुर के अधीक्षण अभियंता पी.श्रीनिवास राजू, कार्यपालन अभियंता मिलिंद पाण्डेय, सी.पी.गढ़ेवाल सहायक अभियंता श्रीमती संचारी सिंह, श्रीमती छाया जीनस, बी.बी.जायसवाल, संतोष देवांगन कनिष्ठ अभियंता कु. कल्याणी वर्मा, प्रदीप साहू एवं एस.टी.एम. व एच.टी. (मेंटेनेंस) टीम की सराहना की है।

सैमसंग इंडिया ने अपने अगले एआई स्मार्टफोन को 'प्री-रिजर्व' करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष लाभों की घोषणा की

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज अपने आगामी एआई स्मार्टफोन को प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों के लिए विशेष लाभों की घोषणा की। प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को 256GB से 512GB तक का मेमोरी अपग्रेड मुफ्त (कॉम्प्लिमेंट्री) दिया जाएगा। सैमसंग का अगला एआई फोन 25 फरवरी को सैन फ्रांसिस्को,कैलिफोर्निया में आयोजित होने वाले 'गैलेक्सी अनपैक्ड' इवेंट में पेश किया जाएगा। ग्राहक 25 फरवरी तक 999 रुपये की रिफंडेबल टोकन राशि जमा करके नए गैलेक्सी एस सीरीज डिवाइस को प्री-रिजर्व कर सकते हैं। प्री-रिजर्वेशन की सुविधा Samsung.com, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, Amazon.in, Flipkart.com और देशभर के प्रमुख रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है। स्टोरेज अपग्रेड के अलावा, प्री-रिजर्व करने वाले ग्राहकों को नया गैलेक्सी एस सीरीज डिवाइस खरीदने पर 2,699 रुपये मूल्य के अतिरिक्त लाभ भी मिलेंगे। नई गैलेक्सी एस सीरीज को रोजमर्रा के कामकाज को आसान बनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और डिवाइस हाथ में लेते ही 'गैलेक्सी एआई'को सहजता से अनुभव करने के लिए तैयार किया गया है।

नाम परिवर्तन की सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पुत्री के शैक्षणिक दस्तावेजो में नाम नाम लिसिका पटेल पिता मूलचंद पटेल अंकित है, उसी प्रकार आधार कार्ड में नाम लोकेश्वरी मरार पिता मूलचंद मरार दर्ज है, किन्तु भूमि संबंधी दस्तावेज /अभिलेखो में नाम लिसिका पटेल पिता मूलचंद पटेल दर्ज है जो कि सभी नाम एक ही व्यक्ति का है, चूंकि मेरी पुत्री का वास्तविक नाम लिसिका पटेल पिता मूलचंद पटेल है जो कि सत्य एवं सही है तथा नाम मे एकरूपता लाने हेतु इसी नाम को समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय दस्तावेज में लिखा व पढा जाना व पहचाना एवं संबोधित किया जावे । ।

सूचना जाने ।

भवदीय
मूलचंद पटेल
पिता जेठूराम
निवासी ग्राम कठौतिया
पो. छिरहा तहसील व जिला बेमेतरा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र... अ/2, वर्ष, 2025-26
वाद भूमि ग्राम सिमगा प.ह.नं. 15

एतद् द्वारा सर्वसाधारण जनता ग्राम सिमगा प.ह.नं. 15 तहसील सिमगा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा, को सूचित किया जाता है कि आवेदिका शानकौर सलुजा पति प्रकाश सलुजा निवासी हालमुकाम पंजाबी पारा बेमेतरा तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम सिमगा प.ह.नं. 15 तहसील सिमगा स्थित भूमि खसरा नं. 15002/84 रकबा 0.0186 हे. आवेदिका के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदिका उक्त भूमि ख.नं. 15002/84 रकबा 0.0186 हे. को आवासीय प्रयोजन हेतु पुर्ननिर्धारण किये जाने आवेदन मय शपथ पत्र, बी-1, खसरा, ले-आउट की प्रति एवं बैनामा की छायाप्रति तथा तलवाना संलग्न कर प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त आवेदित भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु पुर्न निर्धारण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा-आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वंय या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण नियत सुनवाई पेशी दिनांक 01/03/2026 तक अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति-दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतएव आज दिनांक 16/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सिमगा, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र... अ/2, वर्ष, 2025-26
वाद भूमि ग्राम चंदेरी प.ह.नं. 12

एतद् द्वारा सर्वसाधारण जनता ग्राम चंदेरी प.ह.नं. 12 तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा, को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रवीन पिता राजकुमार निवासी ग्राम चंदेरी तहसील सिमगा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग), द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम चंदेरी प.ह.नं. 12 तहसील सिमगा स्थित भूमि खसरा नं. 574/2 रकबा 0. 0700 हे. भूमि आवेदक के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक उक्त भूमि ख.नं. 574/2 रकबा 0.0700 हे. को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु पुर्ननिर्धारण किये जाने आवेदन मय शपथ पत्र, बी-1, खसरा, नक्शा की प्रति एवं ले-आऊट की प्रति व तलवाना संलग्न कर प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त आवेदित भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु परिवर्तित कर पुर्न निर्धारण किये जाने में जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा-आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह स्वंय या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण नियत सुनवाई पेशी दिनांक 01/03/2026 तक अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त आपत्ति-दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतएव आज दिनांक 16/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

2026 02230500012
रा.प्र.क्र./अ-2
वर्ष 2025-26

आवेदक नारायण राजपूत, पिता लक्ष्मीनारायण राजपूत, जाति लोधी, साकिन ग्राम हिंछापुरी, तहसील पथरिया, जिला मुंगेली (छ.ग.) ने ग्राम मारो, प.ह.नं. 12, तहसील नांदघाट, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 2011/6 का 0.03 हेक्टेयर को आवासीय सह व्यवसायिक प्रयोजनार्थ हेतु पुन:निर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 20/02/2026 तक / पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 12/02/2026 मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

:: न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.) ::

// ईश्तहार //

क्र/ क्त/प्र./तह. /2025
रा.प्र.क्र च-121 वर्ष 2025-25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक चिन्तु ध्रुव पित्ता स्व. डेरहा निवासी ग्राम कुसमी तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपने माता परेटन ध्रुव पति डेरहा ध्रुव के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसका मृत्यु दिनांक 21/10/2013 को निवास साकिन में होना व भूलवश ग्राम / नगर पंचायत में मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 23/02/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनाँक 19/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

जिले में पशुकल्याण पखवाड़ा का सफल आयोजन 926 पशुपालकों ने लिया शिविर का लाभ

बिलासपुर। जिले में पशुपालन विभाग द्वारा जिला स्तरीय एवं विकासखण्ड स्तरीय पशुपालन एवं पशुकल्याण जागरूकता पखवाड़ा का सफल आयोजन किया गया। पखवाड़े के अंतर्गत विकासखण्डों और गांवों में शिविर के माध्यम से पशुपालकों को नि:शुल्क सेवाओं का लाभ मिला तथा पशुधन संरक्षण और उत्पादन बढ़ाने संबंधी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान 926 पशुपालकों के 3 हजार 257 पशुओं का पंजीयन किया गया। इनमें से 528 पशुओं का उपचार, 1 हजार 453 पशुओं को कृमिनाशक दवापान कराया गया। 1 हजार 118 पशुओं को औषधि, 3 हजार 126 पशुओं का टीकाकरण, 51 पशुओं का बधियाकरण और पशुओं के विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांच किए गए।

टी-20 वर्ल्डकप-साउथ अफ्रीका की लगातार चौथी जीत

यूएई को छह विकेट से हराया

नईदिल्ली(एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप के 34वें मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 6 विकेट से हरा दिया। टीम की इस वर्ल्डकप में लगातार चौथी जीत है। वहीं, यूएई की तीसरी हार है। साउथ अफ्रीका सुपर-8 में पहले ही पहुंच चुकी है और यूएई बाहर हो चुकी है। दोनों टीमों का यह आखिरी ग्रुप स्टेज मुकाबला था। साउथ अफ्रीका ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया। यूएई ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 122 रन बनाए। 123 रन

के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका ने 13.2 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। साउथ अफ्रीका के लिए डेवाल्ड ब्रेविस ने 36, रयान रिकेल्टन ने 30, ऐडन मार्करम ने 28 और क्विंटन डी कॉक ने 14 रन बनाए। जेसन स्मिथ (3) और ट्रिस्टन स्टब्स (6) नाबाद रहें।

यूएई के लिए अलीशान शराफू ने सबसे ज्यादा 45 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान मुहम्मद वसीम 22, ओपनर अर्यांश शर्मा ने 13 और मुहम्मद अरफान ने 11 रन बनाए। साउथ अफ्रीका के लिए कॉर्बिन बॉश ने 3 और एनरिक नॉर्त्या ने 2 विकेट लिए। जॉर्ज लिंडे को 1 विकेट मिला। कॉर्बिन बॉश को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

दोहा ओपन 2026

अल्कारेज की शानदार शुरुआत, हार्ड-कोर्ट पर दर्ज की 150वीं जीत

दोहा (एजेंसी)। क्वाटर ओपन में विश्व नंबर-1 अल्कारेजने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। ऑस्ट्रेलियन ओपन में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के बाद अल्कारेज़ ने पहले दौर में फ्रांस के आर्थर को 6-4, 7-6 (5) से हराया। इस जीत के साथ 22 वर्षीय स्पेनिश स्टार ने टूर स्तर पर अपनी 150वीं हार्ड-कोर्ट जीत दर्ज की और 2026 सीजन में अपना रिकॉर्ड 8-0 कर लिया।

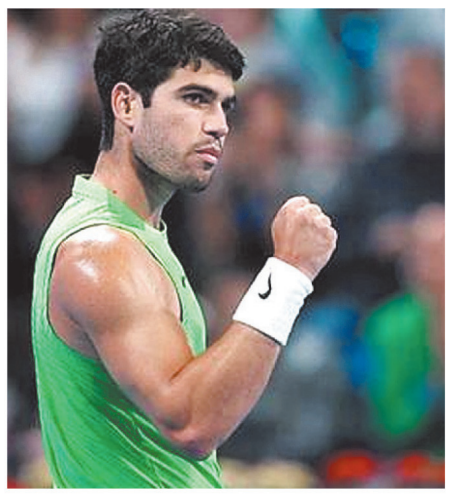

संघर्षपूर्ण मुकाबला, टाई-ब्रेक में दिखाया दम- दूसरे सेट में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। अल्कारेज़ को दो सेट प्वाइंट बचाने पड़े, लेकिन उन्होंने धैर्य बनाए रखते हुए टाई-ब्रेक में जीत हासिल की।

मैच के बाद अल्कारेज़ ने कहा, यह आसान नहीं था। आर्थर खतरनाक खिलाड़ी हैं। पहले राउंड में कोई भी उनके खिलाफ नहीं खेलना चाहता। मैं खुश हूं कि मुश्किल पलों में शांत और सकारात्मक रहा।

आगे की राह- संभावित बड़े मुकाबले- पिछले साल दोहा में क्वार्टरफाइनल में हारने वाले अल्कारेज़ इस बार बेहतर प्रदर्शन की कोशिश में हैं। दूसरे दौर में उनका सामना फ्रांस के Valentin Royer से होगा। फाइनल में उनकी भिड़ंत दूसरे वरीय Jannik Sinner से हो सकती है, जो दोनों के बीच 17वां मुकाबला होगा। क्वार्टरफाइनल में उनका सामना 2024 चैंपियन Karen Khachanov से भी हो सकता है।

67 साल में जम्मू-कश्मीर पहली बार फाइनल में

रणजी ट्रॉफी

● बंगाल को 6 विकेट से हराया ● आकिब नबी ने 9 विकेट लिए, वहीं मोहम्मद शमी के 9 विकेट बेकार साबित हुए

नईदिल्ली (एजेंसी)। कल्याणी में खेले गए रणजी ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने दो बार की पूर्व चैंपियन बंगाल को 6 विकेट से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। जीत के लिए मिले 126 रनों के छोटे लक्ष्य को टीम ने चौथे दिन 34.4 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। भले ही बंगाल यह सेमीफाइनल मुकाबला हार गया हो। लेकिन भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने जम्मू कश्मीर के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए एक बार फिर टीम इंडिया का दरवाजा खटखटाया है। शमी ने पहली पारी में 8 तो दूसरी पारी में 1 विकेट लिया। इस तरह उन्होंने पूरे मैच में कुल 9 विकेट झटके।

वंशज शर्मा ने 43 रन बनाए, जबकि आईपीएल स्टार अब्दुल समद 30 रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को जीत तक पहुंचाया। इस जीत के हीरो तेज गेंदबाज आकीब नबी रहे, जिन्होंने मैच में कुल 9 विकेट लेकर बंगाल की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। इसके अलावा उन्होंने पहली पारी में 42 रन बनाकर टीम की जीत में अहम योगदान भी दिया।

समद की आक्रामक बैटिंग और वंशज का छक्का

मैच के चौथे दिन जम्मू-कश्मीर को जीत के लिए 83 रनों की जरूरत थी और उनके 8 विकेट सुरक्षित थे। सुबह के सत्र में शुभम पुंडीर (27) और कप्तान पारस डोगरा (9) जल्दी आउट हो गए, जिससे टीम पर दबाव बढ़ गया था। इसके बाद अब्दुल समद और 22 साल के युवा वंशज शर्मा ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच 55 रनों की अटूट साझेदारी हुई। समद ने अपनी 27 गेंदों

की पारी में 3 छक्के और 1 चौका लगाकर बंगाल के गेंदबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया। मैच का अंत वंशज शर्मा ने मुकेश कुमार की गेंद पर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से शानदार छक्का लगाकर किया।

बंगाल के इंटरनेशनल स्टार्स फेल रहे- बंगाल की टीम में मोहम्मद शमी, आकाश दीप, मुकेश कुमार और शाहबाज अहमद जैसे चार इंटरनेशनल खिलाड़ी शामिल थे। इसके बावजूद टीम दूसरी पारी में महज 99 रनों पर सिमट गई। बंगाल ने पहली पारी में 328 रन बनाए थे, जिसके जवाब में जम्मू-कश्मीर ने 302 रन बनाए। दूसरी पारी में अकीब नबी की घातक गेंदबाजी के सामने बंगाल का कोई भी बल्लेबाज टिक नहीं सका। आकाश दीप ने दूसरी पारी में 3 विकेट जरूर लिए, लेकिन वे हार नहीं टाल सके।

1959 से सफर शुरू हुआ, 44 साल बाद मिली थी पहली जीत- जम्मू-कश्मीर ने पहली बार 1959-60 के सीजन में रणजी ट्रॉफी खेलना शुरू किया था। शुरुआत में इस टीम को एक कमजोर टीम माना जाता था। टीम को अपनी पहली जीत दर्ज करने में ही 44 साल लग गए थे, जब 1982-83 में उन्होंने सर्विसेज को हराया था।

2013-14 में टीम पहली बार नॉकआउट दौर में पहुंची थी। इस सीजन में कोच अजय शर्मा और कप्तान पारस डोगरा के मार्गदर्शन में टीम ने मुंबई, राजस्थान, दिल्ली और हैदराबाद जैसी बड़ी टीमों को हराकर अपना लोहा मनवाया।

अकीब नबी ने इस सीजन 55 विकेट लिए

तेज गेंदबाज अकीब नबी के लिए यह सीजन किसी सपने जैसा रहा है। क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश के खिलाफ 12 विकेट लेने वाले नबी ने सेमीफाइनल में भी 9 विकेट चटकाए। इस सीजन में उनके कुल विकेटों की संख्या 55 हो गई है और उनका औसत 13 से भी कम का रहा है। गेंदबाजी के अलावा उन्होंने पहली पारी में 42 रनों का अहम योगदान भी दिया था। मैच के बाद नबी ने कहा, पिछली बार हम क्वार्टर फाइनल में चूक गए थे। **कप्तान पारस डोगरा रणजी में 10 हजार बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज-** 41 साल के कप्तान पारस डोगरा ने मैच के दौरान रणजी ट्रॉफी में अपने 10,000 रन पूरे किए। वे वसीम जाफर के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। हिमाचल प्रदेश और पुडुचेरी से होते हुए जम्मू-कश्मीर पहुंचे डोगरा ने पहली पारी में 58 रनों की जुझारू पारी खेली थी, जिसने जीत की नींव रखी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दी बधाई

इस ऐतिहासिक जीत पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा, यह खिलाड़ियों की मेहनत और कोचिंग स्टाफ के अनुशासन का नतीजा है। जम्मू-कश्मीर की टीम ने पिछले कुछ सालों में जबरदस्त सुधार किया है। मुझे उम्मीद है कि वह दिन दूर नहीं जब हमारे खिलाड़ी भारतीय टीम में भी अहम भूमिका निभाते दिखेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में कैसा रहा ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। वनडे क्रिकेट में 6 बार की विश्व विजेता ऑस्ट्रेलियाई टीम का दबदबा जगजाहिर है, लेकिन टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में उनका रिकॉर्ड उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। वनडे के सुल्तान माने जाने वाले कंगारू इस छोटे फॉर्मेट में लंबे समय तक संघर्ष करते दिखे हैं। ऐसा लगता ही नहीं कि ये वही टीम है जिसने वनडे फॉर्मेट में पूरी दुनिया में अपना दबदबा बनाए रखा है। टी20 फॉर्मेट आते ही वनडे के सुल्तान एक कमजोर टीम लगने लगती है।

ऑस्ट्रेलिया का टी20 वर्ल्ड कप सफर

ऑस्ट्रेलिया ने अब तक के सभी टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया है, लेकिन उन्हें अपनी पहली और इकलौती ट्रॉफी के लिए 14 साल का लंबा इंतजार करना पड़ा। किसी ने सोच तक नहीं था कि ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को इतना लंबा इंतजार करना पड़ेगा। बात करें मौजूदा टी20 वर्ल्ड कप के बारे में तो ऑस्ट्रेलियाई टीम ग्रुप स्टेड से ही बाहर हो गई। किसी ने सोचा तक नहीं होगा कि उन्हें जिम्बाब्वे जैसी छोटी टीम के खिलाफ भी हार का सामना करना पड़ेगा।

वनडे के चैंपियन टी20 में हैं फिसड्डी

साल	मेजबान	ऑस्ट्रेलिया का प्रदर्शन (स्टेज)
2007	साउथ अफ्रीका	सेमीफाइनल (भारत से हारकर बाहर)
2009	इंग्लैंड	ग्रुप स्टेज (पहले ही राउंड में बाहर)
2010	वेस्टइंडीज	रनर-अप (फाइनल में इंग्लैंड से हारे)
2012	श्रीलंका	सेमीफाइनल (वेस्टइंडीज से हारे)
2014	बांग्लादेश	सुपर-10 स्टेज (नॉकआउट तक नहीं पहुंचे)
2016	भारत	सुपर-10 स्टेज (भारत से हारकर बाहर)
2021	यूएई	विजेता - पहली बार खिताब जीता
2022	ऑस्ट्रेलिया	सुपर-12 स्टेज (डिफेंडिंग चैंपियन होकर भी बाहर)
2024	वेस्टइंडीज	सुपर 8 राउंड (भारत ने किया बाहर)
2026	भारत/श्रीलंका	ग्रुप स्टेज (श्रीलंका से हारकर बाहर)

ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 में साल 2021 रहा सबसे सफल- 2021 का वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया के लिए अपवाद रहा। एरोन फिंच की कप्तानी में टीम ने दुबई में मिचेल मार्श और एडम जाम्पा के शानदार प्रदर्शन के दम पर न्यूजीलैंड को हराकर अपना पहला टी20 खिताब जीता।

ऑस्ट्रेलिया को क्यों कहलाते हैं टी20 में फिसड्डी?

ऑस्ट्रेलिया के फिसड्डी कहलाने के पीछे कुछ ठोस कारण रहे हैं। जहां ऑस्ट्रेलिया वनडे वर्ल्ड कप के नॉकआउट में हमेशा पहुंचता है, वहीं टी20 वर्ल्ड कप में वे 2009, 2014, 2016, 2022, 2024 और अब 2026 में सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंच सके। एशियाई पिचों (भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश) पर आयोजित टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। उनके खिलाड़ी स्पिनर्स के खिलाफ काफी परेशानी में दिखते हैं। टी20 फॉर्मेट शुरू होने के 14 साल बाद ऑस्ट्रेलिया ने 2021 में अपनी पहली ट्रॉफी जीती, जबकि भारत, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान और इंग्लैंड जैसे देश पहले ही इस पर कब्जा जमा चुके थे।

विराट से तुलना करना बंद करो...

● बाबर आजम के घटिया शॉट पर भड़का भारतीय दिग्गज, कर डाली ये मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान की बल्लेबाजी ने भारतीय गेंदबाजों के सामने पूरी तरह सरेंडर कर दिया था। पाकिस्तान की टीम 176 रन के टारगेट का पीछा करते हुए महज 114 रन के स्कोर पर ऑल आउट हो गई थी और 61 रन से मुकाबला हार गई थी।एक समय था जब पाकिस्तान के 13 रन पर 3 विकेट गिर गए थे। उस वक्त पाकिस्तान के लिए क्रीज पर उनके स्टार खिलाड़ी बाबर आजम मौजूद थे, जिनपर पाकिस्तानी फैंस को भरोसा था कि वो वहां से मैच जितवा सकते हैं।

लेकिन बाबर आजम ने अक्षर पटेल के खिलाफ घुटना टेका और बड़ी हिट लगाने की कोशिश की। वह गेंद को पूरी तरह से मिस कर गए और शर्मनाक तरीके से बोल्ड हो गए। बाबर 7 गेंद में 5 रन बनाकर आउट हो गए और अपनी टीम को और मुश्किल में डाल गए। इसपर अब भारत के पूर्व खिलाड़ी दिनेश कार्तिक ने बाबर की आलोचना की है।

दिनेश कार्तिक ने की बाबर आजम की आलोचना- दिनेश कार्तिक ने क्रिकबज पर कहा, लंबे समय से एक तुलना जो होती आ रही है और मुझे सही नहीं लगती। विराट कोहली और बाबर आजम। मैं कल्पना नहीं कर सकता कि विराट कोहली पारी की शुरुआत में ऐसा शॉट खेलेंगे। यह समर्पण है। यह खुद पर भरोसा नहीं है कि आप टीम को जिता सकते हैं या अपनी टीम को जीत के करीब ले जा सकते हैं। बाबर आजम का स्लॉग करना दिखाता है कि वह रन रेट के साथ चलना चाहते थे। यह वह आमतौर पर नहीं करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, यह दबाव को एब्जॉर्ब करना ही महानता की पहचान है। हर गेम आसान नहीं हो सकती। जहां आप आते हैं और कुछ शॉट खेलते हैं। जब मैं बाबर आजम को देखता हूं। मुझे महसूस होता है कि वो बिलीफ या दृढ़ विश्वास नहीं है। वो दुनिया के बेस्ट बल्लेबाज होने के आसपास भी नहीं हैं। मुझे लगता है कि मौजूदा समय में अभिषेक शर्मा बेस्ट हैं।

भारत का परच, 43 मेडल के साथ पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में बना नंबर 1

दुबई (एजेंसी)। भारत ने दुबई 2026 ग्रां प्री - 17वीं फाज़ा इंटरनेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 43 पदकों के साथ पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। भारत ने कुल 16 स्वर्ण, 13 रजत और 14 कांस्य पदक अपने नाम किए।

कोलंबिया और केन्या ने 20-20 पदक जीते, जिनमें क्रमशः 11 और 6 स्वर्ण पदक शामिल रहे। मेज़बान यूएई 31 पदकों (6 स्वर्ण) के साथ चौथे स्थान पर रहा। यह सीजन का पहला वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री था। भारत के लिए यह प्रदर्शन खास रहा क्योंकि अगला डब्ल्यूपीए ग्रां प्री नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होना है। ऐसे में भारतीय एथलीटों ने दुबई क्लब फॉर पीपल ऑफ डिटरमिनेशन ग्राउंड पर आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की।

दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने पुरुषों की जेवलिन F64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार वापसी की। वहीं पेरिस 2024 के स्वर्ण पदक विजेता नवदीप (जेवलिन एफ41) और धर्मबीर नैन (क्लब थ्रो एफ51) ने भी गोल्ड जीतकर सीजन की बेहतरीन शुरुआत की।

पेरिस 2024 पैरालंपिक्स की डबल ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट प्रीति पाल ने महिलाओं की 100 मीटर टी35 में स्वर्ण और 200 मीटर टी35 में कांस्य पदक जीता। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य अपना पर्सनल बेस्ट सुधारना और भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा गोल्ड जीतना है। यह तो बस शुरुआत है।

भाग्यश्री एम. जाधव ने महिलाओं की शॉट पुट और जेवलिन एफ34 में भावनात्मक जीत दर्ज कर शानदार वापसी की।

खिलाड़ी करते रहे सड़क पर इंतजार

नहीं मिला ऑस्ट्रेलिया में होटल, अब पाकिस्तान में छिड़ गया नया बवाल

सिडनी (एजेंसी)। पाकिस्तानी हॉकी टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया में होटल बुकिंग के एक करोड़ पाकिस्तानी रुपये से अधिक के भुगतान के सबूत पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) द्वारा दिए जाने के बाद अब पाकिस्तान हॉकी महासंघ विवाद के घेरे में आ गया है। पाकिस्तान हॉकी टीम को सिडनी हवाई अड्डे पर 13 से 14 घंटे इंतजार करना पड़ा क्योंकि कैनबरा की फ्लाइट लेने से पहले पीएचएफ न खिलाड़ियों और अधिकारियों के हवाई अड्डे पर रुकने या खाने का कोई इंतजाम नहीं किया था जिससे पीएचएफ और पीएसबी की काफी आलोचना हो रही थी।

पाकिस्तान हॉकी में हुआ विवाद- एफआईएच प्रो लीग के लिए कैनबरा पहुंचने के बाद पाकिस्तानी टीम के पास होटल नहीं था क्योंकि पीएचएफ ने भुगतान नहीं किया था। लाहौर से आस्ट्रेलिया का 24 घंटे का सफर तय करने के बाद खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ चार सितारा होटल पहुंचे जहां उन्हें बताया गया कि उनके नाम पर कोई बुकिंग नहीं है।

खिलाड़ियों को करना पड़ा लंबा इंजतार- खिलाड़ियों को अपने लगैज के साथ कैनबरा में होटल के बाहर लंबा इंतजार करना पड़ा जिसके बाद कैनबरा में रहने वाले पाकिस्तानियों ने सस्ते एयरबीएनबी होटल का इंतजाम किया। अगले दिन पाकिस्तान ऑस्ट्रेलिया से पहला मैच हार गया।

खेल विभाग ने दिए सबूत- पीएसबी ने अब पीएचएफ को 28 जनवरी को होटल के इंतजाम के लिए किए गए एक करोड़ और पांच लाख रूपए के चेक की फोटोकॉपी जारी कर दी है। इससे साबित होता है कि पीएसबी ने एयर टिकट और होटल के अलावा दैनिक भत्ते का भी भुगतान कर दिया था।

वॉशरूम साफ किए, खुद बर्तन धोए और.., पाक हाकी टीम की ऑस्ट्रेलिया में बेइज्जती, कप्तान ने बताई आपबीती

पाकिस्तान की नेशनल हॉकी टीम के कप्तान अम्माद शकील बट ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान टीम के साथ हुए दुर्व्यवहार और खराब मैनेजमेंट को लेकर सनसनीखेज खुलासे किए हैं। लाहौर हवाई अड्डे पर मीडिया से बात करते हुए कप्तान ने पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) पर मानसिक प्रताड़ना और खिलाड़ियों को मजदूरों की तरह रखने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके इन आरोपों ने पाकिस्तान में तहलका मचा दिया है।कप्तान अम्माद बट ने ऑस्ट्रेलिया से आ रही उन सभी खबरों की पुष्टि की, जिनमें कहा गया था कि टीम को बुनियादी सुविधाएं तक नहीं दी गईं। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों को मैदान पर उतरने से पहले किचन की सफाई, बर्तन धोना और यहां तक कि टॉयलेट रगड़ने के लिए मजबूर किया गया। टीम को बताया गया कि उन्हें अपने तीन वक्त का खाना महज 115 डॉलर के दैनिक भत्ते में मैनेज करना होगा। अम्माद ने कहा कि मैनेजमेंट ने खिलाड़ियों को मानसिक रोगी बना दिया है। फेडरेशन ने टीम को बांटने की कोशिश की अम्माद बट ने आरोप लगाया कि पीएचएफ ने टीम में फूट डालने की कोशिश की।

बेरला एसडीओपी एवं एसडीएम द्वारा थाना बेरला परिसर में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक आयोजित

होली पर्व शांति, सौहार्द्र एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाने तथा उपद्रवियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का दिया गया संदेश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

आगामी होली पर्व के मद्देनजर थाना बेरला परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई एवं पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव के मार्गदर्शन में एसडीएम बेरला सुश्री दीप्ति वर्मा, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, थाना प्रभारी बेरला उप निरीक्षक राजकुमार साहू, चौकी प्रभारी कंडरका उप निरीक्षक डी.एल. सोना, तहसीलदार सरिता मढरिया एवं तहसीलदार आशुतोष गुप्ता सहित नगर पंचायत बेरला, कुसमी एवं भिंभौरी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षदगण, वरिष्ठ नागरिक, जनप्रतिनिधि तथा आसपास के ग्रामों के सरपंच एवं पंच की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में सभी को निर्देशित किया गया कि होलिका दहन सुरक्षित एवं खुले स्थान पर किया जाए। आसपास

बिजली के तार, पैरावट, भूसा अथवा सकरी गलियों में होलिका दहन न किया जाए। बीच सड़क पर होली जलाने से भी परहेज करने की समझाइश दी गई, जिससे यातायात बाधित न हो एवं दुर्घटनाओं से बचाव हो सके। इसके अतिरिक्त मुखौटा न लगाने, कीचड़ अथवा ज्वलनशील तरल पदार्थों का प्रयोग न करने, किसी भी महिला या पुरुष पर जबरन रंग-गुलाल न लगाने, कपड़े न फाड़ने, यातायात नियमों का पालन करने, शराब पीकर वाहन न चलाने एवं झगड़ा-विवाद से दूर रहने की अपील की गई। साथ ही किसी भी धर्म या समाज के विरुद्ध उत्तेजक एवं अपमानजनक पोस्ट सोशल मीडिया पर न डालने तथा ऐसी पोस्ट को फॉरवर्ड न करने की समझाइश दी गई। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से होली पर्व के दौरान सामाजिक सद्भाव बनाए रखने का आग्रह किया गया। बेमेतरा पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि होली का पर्व शांति, सौहार्द्र एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाएं तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि पर्व के दौरान उपद्रव या हुड़दंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

किसानों ने बोरवेल कनेक्शन जुड़ने पर पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा का आभार व्यक्त किया

बेमेतरा/मूक पत्रिका

विगत दिनों विद्युत विभाग एवं प्रशासन द्वारा विभिन्न ग्रामों के किसानों के खेत में लगे बोरवेल कनेक्शन को काटा गया था जिस पर किसानों ने बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा से भेंट करके अपनी व्यथा बताई थी जिस पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने जिला प्रशासन को दो दिवस के भीतर अगर विद्युत कनेक्शन नहीं जोड़े गए तो आंदोलन करने संबंधी ज्ञापन सौपा था जिस पर जिला प्रशासन बेमेतरा ने बहुत ही संजीदा तरीके से किसानो की बातों को मानते हुए तथा सहानुभूति पूर्वक रवैया अपनाकर पुनः किसानों के खेतों में लगे बोरवेल कनेक्शन को जोड़ दिया गया जिस पर संबंधित ग्राम बेमेतरा विधानसभा के अंतर्गत बेरला विकासखंड के ग्राम देवरी बीजाभाट अमोरा बावनलाख सरदा अतरघढी जौग एवं आन्दू से आए हुए, सैकड़ो किसानों ने पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा का आभार व्यक्त किया और किसानों ने कहा कि उनके बुरे वक्त पर मात्र आशीष छाबड़ा ही ऐसे नेता थे जो कंधे से कंधा मिलाकर किसानों के साथ खड़े हुए जिसके कारण वह आज जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष का आभार व्यक्त करने के लिए उपस्थित हुए हैं उनके प्रयासों से जिला प्रशासन ने किसने की बात मानी है और बिना किसी देर के तुरंत ही विद्युत कनेक्शन जोड़ दिए गए जिसके लिए किसानों ने पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा सहित जिला कलेक्टर का भी आभार व्यक्त किया है इस अवसर पर पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र उनका परिवार है और परिवार में समस्या आने पर वे परिवार के एक जिम्मेदार सदस्य के नाते हमेशा खड़े रहे हैं और खड़े रहेंगे पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने इस मामले में जिला कलेक्टर द्वारा तुरंत सहयोगी कार्यवाही पर कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने समस्या की गभीरता तुरंत समझा और निराकरण किया इसके लिए उन्हें साधुवाद है इस अवसर प्रकाश साहू सरपंच ग्राम पंचायत जेवरी सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

वार्ड न. 21 मे गुणवत्ताविहीन नाली का निर्माण मे उठे सवाल वार्ड वासियों में आडक्रोश

नगर निगम की लापरवाही से अधर में लटका अधूरे नाली का निर्माण

रायगढ़ = रायगढ़ जिले के नगर निगम के अंतर्गत वार्ड न. 21 बेलादुला भोले मंदिर के पास हो रहे नाली निर्माण को लेकर स्थानीय वार्ड वासियों में भारी आक्रोश है नाली निर्माण में हो रही भारी अनियमिताओं व घटिया सामग्री का उपयोग को लेकर स्थानीय वार्ड वासियों ने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की है वार्ड वासियों का कहना है कि निर्माण कार्य में जिम्मेदार अधिकारीयों से लेकर ठेकेदार कमीशन के खेल में लिप्त है जिसके चलते गुणवत्ताविहिन कार्य किया जा

रहा है

गुणवत्ताविहिन निर्माण से बढ़ी वार्डवासियों की परेशानी

स्थानिय वार्ड वासियों का आरोप है कि नाली निर्माण में किया जा रही गुणवत्ताविहीन सामग्री का उपयोग किया जा रहा था निर्माण के दौरान गुणवत्ता मानकों को पूरी तरह से अनदेखी किया जा रहा था स्थानीय वार्ड वासियों ने शिकायत करते हुए कहा कि नाली के निर्माण में सही मापदंडों का पालन नहीं हो रहा था और ठेकेदार केवल खाना पूर्ति करने में लगे हैं इस प्रकार की लापरवाही से यह नाली अभी से टूटना फुटना शुरू हो गया है और कुछ दिनों में यह नाली ढ़ह जाएगी स्थानीय वार्ड वासियों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा गुणवत्ताविहीन नाली का निर्माण कराया गया है नाली निर्माण कार्य में सीमेंट व सरिया कम मात्रा मे उपयोग किया गया है नाली में सही ढाल न होने से पानी जमा हो रहा हैऔर जमा पानी से कीड़े,मच्छर पनप रहा है और कई जगहों को आधा अधूरा छोड़ दिया गया है इस प्रकार के लापरवाही कारण नाली कुछ ही दिनों में ढह जाएगी जिससे आगमन में भारी दिक्कत होंगी

नियमों की अनदेखी पर उठे सवाल

स्थानीय वार्ड वासियों के अनुसार नाली निर्माण मे नियमो की पूरी तरह से अनदेखी की गई है नाली निर्माण केवल धीमी गति से हो रही थी बल्कि इसमें ठोस निर्माण सामग्री की कमी है बालू,गिट्टी, सरिया,सीमेंट सही अनुपात मे नहीं डाला गया है जिससे निर्माण के गुणवत्ता में सवाल खड़े हो रहा है स्थानीय वार्ड वासियों ने नगर निगम के उच्च अधिकारियों से अपिल की है कि नाली निर्माण का कार्य की तत्काल जांच कराई जाए व दोषी ठेकेदार व अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए

कार्य शैली पर सवालिया निशान?

इस घटना ने फिर से एक बार नगर निगम की कार्यशाली पर सवाल निशान खड़ा रहा है कमीशन खोरी व भ्रष्टाचार के कारण जनता को मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है यदि इस मामले में तत्काल कदम नहीं उठाया गया तो यह भ्रष्टाचार का एक उदाहरण बन कर रह जाएगा अब आगे यह देखना होगा कि नगर निगम व संबंधित विभाग इस मामले को कितने गंभीरता से लेते हैं की जनता की शिकायत पर ईमानदारी से जांच होगी या फिर मामले को दबा दिया जाएगा

खौफनाक हादसा : तीसरी मंजिल से गिरी 12वीं की छात्रा, इलाज के दौरान हुई मौत, सामने आया ये कारण

रायगढ़ /मूक पत्रिका

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में तीसरे माले से अचानक 12वीं कक्षा की छात्रा गिर गई, जिसके बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। यह घटना बुधवार सुबह करीब 6 बजे की है। यह पूरा मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का बताया गया है। घटना के बारे में मिली जानकारी के मुताबिक, छात्रा अनन्या सर्वे के पिता राजेश सर्वे मेडिकल कॉलेज के स्थापना शाखा में कर्मचारी हैं। वह अपने परिवार के साथ आवासीय परिसर के टाइप-6 भवन की तीसरी मंजिल में रहती थी। रोजाना सुबह वह टहला करती थी, ऐसे ही सुबह वह छत पर टहल रही थी, इस बीच वह अचानक नीचे गिर गई, जिससे सिर पर गंभीर चोट आई।इसके बाद परिवार जनों में हड़कम्प मच गया, उसके बाद परिवार वाले बच्ची को लेकर तत्काल अस्पताल पहुंचे। जहाँ इलाज के दौरान छात्रा ने दम तोड़ दिया।

मृतिका छात्रा का आज बोर्ड परीक्षा का पहला पेपर था। इस घटना के बाद पूरे परिसर में मातम छा गया और पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। अंतिम संस्कार के लिए परिजन शव को गृह ग्राम बिलासपुर के गनियारी ले गये, जहाँ उसके अंतिम संस्कार किये जाने की जानकारी सामने आई है।इसके साथ ही यह भी बताया जा रहा है कि इसी बिल्डिंग में 7 साल पहले भी एक बुजुर्ग महिला गिरी थी। उस घटना में भी उसकी मौत हो गई थी। बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विधानसभा सत्र के दौरान बिना अनुमति अवकाश व मुख्यालय छोड़ने पर प्रतिबंध

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ विधानसभा सत्र सोमवार 23 फरवरी से प्रारंभ होकर शुक्रवार 20 मार्च 2026 तक आहूत किया गया है। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिले के समस्त विभागों में पदस्थ एवं कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आदेशित किया है कि विधानसभा सत्र की अवधि में वे सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति के बिना न तो अवकाश पर रहेंगे और न ही मुख्यालय छोड़ेंगे। विधानसभा सत्र के दौरान प्राप्त होने वाले तारांकित एवं अतारांकित प्रश्नों, स्थगन प्रस्ताव, शून्यकाल, ध्यानाकर्षण सूचना, आश्वासनों, अशासकीय संकल्पों, याचिकाओं तथा लोक लेखा समिति से संबंधित पत्राचार एवं सूचनाओं पर निर्धारित समयावधि में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आदेश जारी किए हैं और इस कार्य के लिए अपर कलेक्टर श्रवण कुमार टंडन को जिले का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। उनका मोबाइल नंबर 9425564594 है। कार्यालय का ईमेल कलेक्टर डेश एसजीएचबीजीएच एट सीजी डॉट जीओवी डॉट इन है।

दसवी, बारहवीं बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर कलेक्टर ने लगाया प्रतिबंध

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ संजय कन्नौजे ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा वर्ष 2026 को ध्यान में रखते हुए परीक्षार्थियों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से ध्वनि प्रदूषण (नियमन तथा नियंत्रण) नियम, 2000 छ.ग. कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 के तहत ध्वनि विस्तारक यंत्रों के संचालन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध का आदेश जारी कर लागू किया है।

बरमकेला में किसान कांग्रेस को नई ताकत, दिगंबर नायक बने ब्लॉक अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह

बरमकेला/मूक पत्रिका

किसान कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए किसान कांग्रेस ने बरमकेला ब्लॉक की कमान युवा एवं सक्रिय नेता दिगंबर नायक को सौंप दी है। उन्हें बरमकेला ब्लॉक का किसान कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के बाद पूरे क्षेत्र के किसानों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी और उत्साह की लहर दौड़ गई है।दिगंबर नायक की नियुक्ति को संगठन में नई ऊर्जा के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से किसान हितों के लिए सक्रिय भूमिका निभाने वाले नायक को संगठन की जिम्मेदारी मिलने से कार्यकर्ताओं में नई उम्मीद जगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की समस्याओं को लेकर उनकी मुखर आवाज और जमीनी पकड़ को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन पर भरोसा जताया है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि दिगंबर नायक के नेतृत्व में किसान कांग्रेस और अधिक मजबूत होगी तथा किसानों के हक और अधिकार की लड़ाई और भी मजबूती से लड़ी जाएगी। उनकी नियुक्ति से संगठन को नई दिशा और गति मिलेगी।नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष दिगंबर नायक ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे किसानों की आवाज को बुलंद करने, उनकी समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने और संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि किसान कांग्रेस किसानों के सम्मान, अधिकार और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। बरमकेला ब्लॉक में इस नियुक्ति को लेकर कांग्रेसजनों ने एक-दूसरे को बधाई दी और संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। माना जा रहा है कि आने वाले समय में किसान कांग्रेस के बैनर तले किसानों की समस्याओं को लेकर कई महत्वपूर्ण पहल देखने को मिल सकती है।

नौघटा में फाइलेरिया के खिलाफ जंग, घर-घर पहुंची दवा, सरपंच और स्वास्थ्य टीम ने संभाली

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

सरिया तहसील के ग्राम पंचायत नौघटा में इन दिनों फाइलेरिया यानी हाथीपांव के खिलाफ विशेष अभियान चल रहा है। गांव में सरपंच संगीता विरेन्द्र पटेल की अगुवाई में लोगों को घर-घर जाकर दवा खिलाई जा रही है। इस अभियान में गांव की मितानिन चंद्रमा महंत, जशोबंती पटेल और पोषण सखी सविता डनसेना, दीपिका पटेल, प्रियंका पटेल सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।बता दें कि जिले के कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजी के निर्देश और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से यह अभियान 10 फरवरी से 25 फरवरी तक चलाया जा रहा है। आंगनवाड़ी केंद्र, शालाएं और सरकारी कार्यालयों को बूथ बनाया गया है, जहां लक्षित लोगों को मौके पर ही दवा खिलाई जा रही है।

सामने खिलाई जा रही दवा- स्वास्थ्य विभाग का साफ निर्देश है कि फाइलेरिया की दवा लोगों को सामने ही खिलाई जाए। कई लोग ÷बाद में खा लेंगे÷ कहकर दवा ले तो लेते हैं, लेकिन खाते नहीं हैं। ऐसे में बीमारी का खतरा बना रहता है। फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है, जो एक बार होने पर जिंदगी भर परेशान कर सकती है।

जागरूकता भी, समझाइश भी- अभियान के दौरान टीम लोगों को यह भी समझा रही है कि यह दवा सुरक्षित है और बीमारी से बचाव के लिए जरूरी है। ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि दवा जरूर खाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। गांव में इस अभियान को लेकर अच्छा उत्साह देखा जा रहा है। स्वास्थ्य टीम का कहना है कि अगर सभी लोग दवा समय पर खा लें तो फाइलेरिया को जड़ से खत्म किया जा सकता है।

गौ माता में साक्षात लक्ष्मी का निवास

हर घर में एक गाय जरूर होना चाहिए - स्वामी आत्मानंद गिरी जी महाराज

बेरला/बेमेतरा/मूक पत्रिका

समीपस्थ ग्राम देवादा में स्व. संदीप वर्मा की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनके पिता रामखिलावन वर्मा एवं समस्त परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ के छठवें दिवस श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। कथा पांडाल में भजन-कीर्तन, मंत्रोच्चार और धर्मचर्चा के

साथ पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा।

कथा व्यास के रूप में पधारे स्वामी आत्मानंद गिरी जी महाराज (पंचदश नाम जूना अखाड़ा) ने कंस वध, द्वारिका लीला एवं रुक्मणी मंगल के प्रसंगों का सरस एवं भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि ईश्वर प्राप्ति बाह्य प्रदर्शन से नहीं, अंतर्मन की श्रद्धा और साधना से संभव है। उन्होंने कहा कि जब बिंदु सिंधु में मिल जाता है तो उसका अलग अस्तित्व नहीं रहता–उसी प्रकार मनुष्य जब ईश्वर में लीन होता है, तब अहंकार समाप्त हो जाता है।

अपने प्रवचन में स्वामी जी ने धर्म के व्यापक स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदू कोई व्यवस्था नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। उन्होंने चरित्र निर्माण को जीवन का मूल आधार बताते हुए कहा कि व्यक्ति का वास्तविक परिवर्तन पद या व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उसके आचरण और चरित्र से होता है। उन्होंने समाज में नैतिकता, सेवा और करुणा की आवश्यकता पर जोर देते हुए गौसेवा को कल्युग में मोक्ष का सरल मार्ग बताया। स्वामी जी के शब्दों में–÷गौ माता में साक्षात लक्ष्मी का निवास है, प्रत्येक घर में गौपालन से समृद्धि, शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।÷इस अवसर पर मुख्य यजमान सुनील वर्मा, रामखिलावन वर्मा, अहिल्या वर्मा सहित परिवारजनों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में माँ भद्रकाली जिला मानस संघ के अध्यक्ष देवलाल सिंहा, रामकुमार शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, संत वर्मा, घनश्याम साहू, चुरामन साहू सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।